एजेंसी देना है
एजेंसी लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मो. 9893798715

RNI No:-MPHIN/2008/24599 डाक पंजीयन:-एमपी/SDL-0019/2026-2028 Epaper:- www.fatwasamachar.com

फतवा

प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित भोपाल और छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार आपका विश्वास

वर्ष-17 अंक-20 अनूपपुर- 15 से 21 मई 2025 पृष्ठ-08 मूल्य-02 रुपये

पेज 04 निजी स्कूलों की

आपने पराक्रम से इतिहास रच दिया, आदमपुर एयरबेस से बोले प्रधानमंत्री मोदी, जवानों को किया सलाम

जालंधर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पंजाब के आदमपुर एयरबेस का दौरा किया और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सशस्त्र बलों के वीर जवानों को संबोधित करते हुए कहा, ÷आपने अपने पराक्रम से इतिहास रच दिया है, जिससे करोड़ों भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वायुसेना, नौसेना, थलसेना और सीमा सुरक्षा बल के जांबाजों को सैल्यूट करते हुए कहा कि जब हमारे वीरों के पैर धरती पर पड़ते हैं, तो वह धरती धन्य हो जाती है। उन्होंने कहा, कि जब हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर छीना गया, तो हमारी सेना ने आतंकियों के फन को उनके घर में घुसकर कुचला है।

पीएम मोदी ने एयरबेस पर जवानों से मुलाकात की। इस दौरान जवानों द्वारा वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए गए। पीएम मोदी ने इस अवसर की तस्वीरें भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं और लिखा, साहस, दृढ़ संकल्प और निडरता के प्रतीक इन वीर योद्धाओं के साथ रहना एक विशेष अनुभव रहा। भारत अपने सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना, थलसेना और नौसेना ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक प्रहार किया है। भारत की तीनों सेनाओं ने पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन में आतंक के 9 से अधिक ठिकानों को पूरी तरह खत्म किया गया। आदमपुर एयरबेस पूरी तरह सक्रिय प्रधानमंत्री का जालंधर स्थित आदमपुर एयरबेस पर उतरना इस बात का सीधा संकेत है कि यह एयरबेस पूरी तरह ऑपरेशनल है और पाकिस्तानी दावे निराधार हैं। यह बेस मिग-29 लड़ाकू विमानों का प्रमुख केंद्र है और पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित होने के कारण इसकी सामरिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी के साथ वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी मौजूद रहे।

राजनीतिक और रणनीतिक संदेश

इस दौरे के ज़रिए प्रधानमंत्री ने न केवल भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा।

न्यूज बीफ्र

भारत और पाकिस्तान की अग्रिम चौकियों से सैनिक कम करने पर सहमति

नईदिल्ली। भारत और पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशन के बीच में हॉट लाइन पर बातचीत हुई इस बातचीत में दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ने अग्रिम चौकियों से सेना के जवान कम करने पर सहमति बनाई दोनों देशों के बीच इस बात की सहमति भी बनी है कि कोई भी सीज फायर का उल्लंघन नहीं करेगा। दोनों डायरेक्टर जनरल के बीच इस बात की सहमति भी बनी, किसी आपात परिस्थिति में तत्काल बात करने की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में दोनों एक दूसरे के साथ तुरंत संपर्क कर उपयुक्त निर्णय लेंगे।

एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री 25 को पहुंच रहे दिल्ली, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को अगले सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी साझा की जाएगी। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, चुनावी राज्य बिहार सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री 25 मई को दिल्ली आ रहे है। सूत्रों के अनुसार ये नेता शनिवार को घोषित हमलों और उसके बाद संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले है। सोमवार की शाम प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद, सहयोगी दलों ने सरकार की कार्रवाई के समर्थन में एकजुटता दिखाई, जो पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पीएम मोदी के संबोधन ने भारत के नए सिद्धांत को आकार दिया है।

बीजेपी नेता दिलीप घोष की पत्नी के बेटे की मौत, रिंकू मजूमदार का पहली शादी से बेटा

कोलकाता। बंगाल बीजेपी नेता दिलीप घोष के परिवार से जुड़ी चौंकाने वाली खबर सामने आई है। उनकी पत्नी रिंकू मजूमदार के बेटे प्रीतम मजूमदार की अस्वाभाविक मौत हुई है। प्रीतम का शव मंगलवार सुबह न्यू टाउन स्थित घर से बरामद हुआ।
सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि प्रीतम की मौत किन कारणों से हुई। प्रीतम, रिंकू मजूमदार का पहली शादी से बेटा था। बता दें कि रिंकू की बीते महीने ही बीजेपी नेता दिलीप घोष से शादी हुई है। शादी के बाद रिंकू अब दिलीप घोष के साथ न्यू टाउन स्थित घर में रहती हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पड़ोसियों ने बताया कि प्रीतम घर पर ही रहता था।

विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु जातियों के पुनर्वास कार्यों को दें प्राथमिकता

विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय की प्रतिभाओं को करें प्रोत्साहित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदायों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करें। समुदाय के अनेक विद्यार्थियों ने लोक सेवा आयोग जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में इनका निवास है। इनकी पुरानी पृष्ठभूमि अथवा पूर्व धारणा के आधार पर इन जातियों के सभी लोगों को अपराधी ना माना जाए। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में भी जातिगत संबोधन से संबोधित ना किया जाए। अपराधियों की जानकारी में जातियों का उल्लेख नहीं किया जाएं। इस तरह की असम्मानजनक शब्दावली से बचा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में विभाग की बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन द्वारा इन जातियों के ऐसे लोगों को अपराधों से विमुख करने के लिए प्रयास किया जाए जो विभिन्न कारणों से अपराधों से जुड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा सांसी जाति के कल्याण के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग के कल्याण के कार्यों को प्रभावी रूप से संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न छात्रवृतियों की राशि शैक्षणिक सत्र के दौरान ही वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आगामी शिक्षण सत्र में विभिन्न जिलों में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति वितरण के कार्य तय समय में किया जाएगा। इस बारे में विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में मेस सुविधा संचालन की स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में मेस संचालन शुरू होगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि दिल्ली छात्र गृह योजना में वर्तमान में स्वीकृत 50 सीट की वृद्धि कर 150 सीट किया जाना प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न कन्या छात्रावास में बाउंड्री वॉल का निर्माण पूर्ण होने तक कांटेदार फेंसिंग की जाए।

वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा है मॉडल

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि प्रदेश की वक्फ समितियों का डिजिटलाइजेशन राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश वक्फ समितियों के डिजिटलाइजेशन सहित अन्य कार्यों में मध्यप्रदेश मॉडल के रूप में कार्य कर रहा है। बैठक में प्रमुख सचिव श्री ई. रमेश कुमार ने अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण के विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के निर्माण, छात्रवृत्ति राशि के वितरण और अन्य योजनाओं की जानकारी दी। संचालक विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु कल्याण श्री नीरज वशिष्ठ ने जानकारी दी कि प्रदेश में विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध घुमन्तु समुदाय की 51 जातियां हैं। इन जातियों में 14 जातियां अनुसूचित जाति वर्ग, 10 जातियां अन्य पिछड़ा वर्ग और 27 जातियां सामान्य वर्ग की श्रेणी में आती हैं।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद संत प्रेमानंद से मिले विराट-अनुष्का

मथुरा।

किंग कोहली के नाम से मशहूर क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी, बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया। इस भेंट के दौरान संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि हम अपने प्रभु का विधान बताते हैं। जब प्रभु किसी पर कृपा करते हैं, ये वैभव मिलना कृपा नहीं है। ये पुण्य है। ये वैभव बढ़ना, यश बढ़ना भगवान की कृपा नहीं मानी जाती है। भगवान की कृपा मानी जाती है अंदर का चिंतन बदलना। जिससे आपके अनंत जन्मों के संस्कार भष्म होकर, अगला जो होगा, वो उत्तम होगा। संत प्रेमानंद महाराज ने समझाया कि अंदर का चिंतन बन गया बह्यमुखी यानि बाहर। बाहर यश, कीर्ति, लाभ और विजय से सुख मिलता है। भगवान जब कृपा करते हैं, तो संत समागम देते हैं। दूसरी जब कृपा होती है, तो विपरीतिता देते हैं। फिर अंदर से एक रास्ता देते हैं कि ये मेरा रास्ता है। ये परम शांति का रास्ता है। भगवान वो रास्ता देते हैं और जीव को अपने पास बुला लेते हैं। संत प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा कि बिना प्रतिकूलता के संसार का राग नष्ट नहीं होता है।

रिटायर हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद स्वीकार नहीं करूंगा

नई दिल्ली।

देश के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना मंगलवार को रिटायर हो रहे हैं। जज के रूप में मंगलवार को उनका अंतिम कार्यदिवस रहा है। इस मौके पर उन्होंने साफ किया कि वे रिटायर होने के बाद वह कोई भी आधिकारिक पद नहीं लूंगा। मंगलवार को जब वह सुप्रीम कोर्ट में मीडियाकर्मियों से मिल रहे थे, तब उन्होंने कहा, मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद स्वीकार नहीं करूंगा.. लेकिन शायद कानून के क्षेत्र में कुछ करूंगा। जस्टिस खन्ना के बयान से स्पष्ट हो गया है कि वे किसी आयोग का अध्यक्ष पद या कोई अन्य संवैधानिक पद स्वीकार नहीं करने वाले हैं, लेकिन कानून के क्षेत्र में वह काम करते रहना चाहते है। हालांकि, इस क्षेत्र में उनकी अगली भूमिका क्या होगी और कैसे होगी, इस पर उन्होंने कुछ स्पष्ट नहीं बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले करोड़ों के कैश और

कथित भ्रष्टाचार के आरोपों से कैसे निपटा गया, इस पर उन्होंने कहा,न्यायिक सोच निर्णायक और निर्णयात्मक होनी चाहिए। हम प्लस और माइनस देखते हैं और फिर तर्कसंगत तरीके से मुद्दे पर निर्णय लेते हैं। जब हम ऐसा करते हैं, तब हम निर्णय लेते हैं। फिर भविष्य आपको बताता है कि आपने जो किया वह सही था या नहीं। 14 मई, 1960 को जन्मे जस्टिस खन्ना एक समृद्ध और कानूनी विरासत वाले परिवार से आते हैं। उनके पिता देव राज खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट के जज रहे हैं, जबकि उनकी मां सरोज खन्ना लेडी श्री राम कॉलेज में लेक्चरर थीं।

जैसलमेर में पाकिस्तानी लोकल सिम के उपयोग पर रोक

जैसलमेर। श्रीगंगानगर के बाद जैसलमेर में भी पाकिस्तानी लोकल सिम के उपयोग पर रोक लगा गई है। कलेक्टर प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर आदेश जारी किया है। इसके पहले श्रीगंगानगर में पाकिस्तानी सिम के उपयोग पर रोक लगी थी। उधर, राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास मिसाइलनुमा वस्तु मिली है। पुलिस ने वस्तु को कब्जे में लेकर सेना को सूचना दी है। उधर, एयरपोर्ट के ऑपरेशनल होने के बाद भी बीकानेर से न ही कोई फ्लाइट गई और न ही आई है। बीकानेर, किशनगढ़ (अजमेर) और जोधपुर के एयरपोर्ट शुरू हो चुके हैं। एयर इंडिया ने ट्रैवल एडवाइजरी कर जोधपुर की फ्लाइट सर्विस को मंगलवार के लिए कैंसिल कर दिया

श्रीनगर एयरपोर्ट से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू, दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट हुई लैंड

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 दिन बाद मंगलवार को श्रीनगर एयरपोर्ट के फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हुए हैं। दिल्ली से एअर इंडिया की फ्लाइट दोपहर 12ः49 बजे लैंड हुई। भारत-पाक तनाव के चलते श्रीनगर एयरपोर्ट 7 मई से बंद था। दिल्ली एयरपोर्ट से चंडीगढ़, अमृतसर और श्रीनगर जाने वाली कई फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पहले बताया था कि सुरक्षा कारणों की वजह से फ्लाइट शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। एअर इंडिया ने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे 8 शहरों में आने-जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं।

इसमें जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट शामिल है। बीती रात राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ड्रोन दिखने के बाद इंडिगो ने भी 6 शहरों में सभी उड़ानें रद्द कर दीं। इसमें जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, लेह, श्रीनगर और राजकोट एयरपोर्ट शामिल हैं।

सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025 में लड़कियों ने फिर मारी बाजी

नई दिल्ली।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। इस वर्ष कुल 88.39 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। फिर से लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर अपना दम दिखाया है। इस साल कक्षा 12वीं की परीक्षा में 16,92,794 छात्रों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 14,96,307 छात्र सफल घोषित किए गए हैं। छात्र अपना रिजल्ट बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट्स, सीबीएसईरिजल्ट्स

डॉट निक डॉट इन, रिजल्ट्स डॉट सीबीएसई डॉट निक डॉट इन और सीबीएसई डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर देख सकते हैं। छात्र वेबसाइट पर जाकर लिंक पर क्लिक करें। रोल नंबर, स्कूल नंबर और एडमिट कार्ड आईडी दर्ज करें। सबमिट पर क्लिक करते ही आपका स्कोरकार्ड स्क्रीन पर दिखाई देगा। रिजल्ट को डाउनलोड कर लें और प्रिंट आउट निकाल लें। डिजीलॉकर और एसएमएस से भी मिलेंगी मार्कशीट स्टूडेंट्स डिजीलॉकर एप के द्वारा डिजिटल मार्कशीट और सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। बोर्ड की ओर से छात्रों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर डिजीलॉकर लॉगिन आईडी और एक्सेस कोड भेजे जा रहे हैं।

खड़गे ने ट्रंप के सीजफायर पर श्रेय लेने पर कहा- यह गोपनीय मामला, सर्वदलीय बैठक में करेंगे चर्चा

डी राजा बोले- पीएम मोदी को विपक्ष के उठाए सवालों का देना चाहिए जवाब

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौते का श्रेय लेने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और इस मामले को गोपनीय बताया है और कहा कि इस पर सर्वदलीय बैठक में चर्चा की जाएगी। खड़गे ने कहा कि इस बारे में यहां बात करना उचित नहीं है। भाकपा नेता डी राजा ने कहा कि पीएम मोदी को विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए और इसके लिए संसद

का विशेष सत्र बुलाना जरूरी है। डी राजा ने कहा एक राष्ट्र के रूप में भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। लेकिन पीएम मोदी को कुछ प्रासंगिक सवालों के जवाब देने चाहिए थे। पहलगाम आतंकी हमला कैसे हुआ? हमारी ओर से क्या चूक हुई? भारत और पाकिस्तान के बीच समझ कैसे बनी और अमेरिका की क्या भूमिका थी? सच्चाई क्या है? आगे क्या होगा, कोई नहीं जानता। हमारी पार्टी संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है, पीएम मोदी को सरकार की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने की समझ की ओर बढ़ने के बीच, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता टीकेएस एलंगोवन ने ट्रम्प की मध्यस्थता के कथित प्रयासों का स्वागत करते हुए इसे एक अच्छा कदम बताया। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार को ट्रम्प के साथ हुई चर्चाओं की प्रकृति को स्पष्ट करना चाहिए, उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने सोमवार रात अपने संबोधन में इसका उल्लेख नहीं किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलनगोवन ने सोमवार को कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि उन्होंने युद्ध रोकने के लिए दोनों देशों से चर्चा की थी और पीएम मोदी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। ट्रंप ने यह बयान क्यों दिया? क्या उन्होंने भारत सरकार से बात की?

ऊर्जा संरक्षण में तकनीकी अहम भूमिका

20 साल पहले तक जन सामान्य द्वारा 100 वाट के विद्युत बल्ब इस्तेमाल में लाए जाते थे, लेकिन वर्तमान समय में बल्ब के स्थान पर 2- 4-5 और 10 वाट की सीएफएल को इस्तेमाल में लिया जा रहा है क्योंकि 2-4-5और 10वाट की सीएफएल विधुत बचत के साथ बल्कि बल्बों से ज्यादा पर्याप्त मात्रा में रोशनी देती हैं। फ्रिज, कूलर, हो या वाशिंग मशीन या अन्य कोई भी जनसामान्य के उपयोग में लाया जाने वाला उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा कुशल बनाया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत इस्तेमाल का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है। रेलवे ,ऑटोमोबाइल्स, उड्डयन इत्यादि में भी तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिक के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम इन दिनों युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच , स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीको का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। ग्रीन स्विच जहां सामान्य स्विचों से काफी कम ऊर्जा से संचालित होते हैं ,वही जल्दी गर्म भी नहीं होते ।स्मार्ट एचवीएसी घरेलू आवास अथवा कार्यालय के रिक्त भाग में विद्युत खपत को सीमित करते हैं, और विद्युत का अनावश्यक उपयोग पर रोकते हैं। स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदको की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी हद तक काम कर देते हैं।

वर्तमान समय में तकनीकी उन्नति के प्रयास अपनी चरम सीमा पर हैं, और इसमें दिन प्रतिदिन इजाफा भी होता जा रहा है ।आज तकनीकी का इस्तेमाल व्यक्तिगत, व्यावसायिक, प्रशासन और राजकीय सभी कार्यों में बिना किसी हिचकिचाहट के किया जा रहा है ।बड़े कारोबारी संस्थानो लेकिन आप करमें आधुनिक तकनीक का उपयोग स्वचालन के लिये हो रहा हैं , वहीं शासकीय संस्थानों आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन तकनीकी के प्रयोग से यहां जनजीवन ,व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है।

बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है। दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है ।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है ।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल।

निश्चित तौर पर तकनीक और प्रौद्योगिकी में ऊर्जा का अधिकार अधिक उपयोग होता है लेकिन ऊर्जा संरक्षण में भी अब तकनीक का प्रत्यक्ष इस्तेमाल होने लगा है परिणाम स्वरुप अब ऊर्जा कुशल विसर्जन को अहमियत दी जा रही है ।20 साल पहले आमतौर पर 100 वाट के बल्ब उपयोग में ले जाते थे लेकिन अब उनके स्थान पर 2-4-5और 10 वाट की सीएफए का उपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है,, क्यों कि सीएफएल से पर्याप्त प्रकाश तो मिलता ही है और साथ ही बिजली की भी बचत होती है। कूलर ,फ्रिज हो अथवा वाशिग मशीन या फिर अन्य कोई घरेलू विद्युत उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के उपयोग से उर्जा कुशल बनाया जा रहा है। तकनीक के उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत उपयोग का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है ।ऑटोमोबाइल्स, रेलवे, उड्डयन आदि में भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम भी युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच, स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ।ग्रीन से काफी कम ऊर्जा को संचालित होते हैं वहीं जल्दी कम भी नहीं होती स्मार्ट हब एक घर या कार्यालय के रिक्त हिस्से में विद्युत खपत को सीमित करते हैं और विद्युत का अनावश्यक उपयोग रोकते हैं।

स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदकों की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी कम कर देती है, यह भी सुनिश्चित करती है कि आवश्यक क्षेत्रों को हमेशा प्रकाशित रखा जा सके।

तकनीकी के सहयोग से बायोगैस, बायोमास,ज्वारीय ऊर्जा,पवन ऊर्जा, दीप्तिमान ऊर्जा,भूतापीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा,जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा, जैसे अक्षय ऊर्जा के स्त्रोतों को तलाशा और उपयोगी बनाया जा सकता है। अक्षय ऊर्जा के स्त्रोत शने -शने प्रचलित हो रहे हैं क्योंकि अक्षय ऊर्जा बनाने के लिए किसी भी संसाधन का हास नहीं होता। अक्षय ऊर्जा को नवी नवीनीकरण स्रोत भी कहा जाता है क्योंकि यह प्रकृति में निरंतर उत्पन्न हो सकती है। तकनीक से अक्षय ऊर्जा के बड़े स्रोतों को तलाश ने, पड़ताल करने से लेकर मानव उपयोग के लिए अनुकूल बनाने तक में हर स्तर पर काफी सहयोग मिलता है।

प्रौद्योगिकी के माध्यम से ऊर्जा संसाधनों के लिए उपयोग किए जाने वाले विश्व भर के प्रमुख बिजली संयंत्र में परमाणु ऊर्जा का दोहन और भंडारण किया गया है ।यहां तक की फुकुशिमा के परमाणु संयंत्र और चनोबिल संयंत्र जैसे रेडियोधर्मी रिसाब जोखिम वाले संस्थानों को भी तकनीकी की माध्यम से संचालित और नियंत्रित किया जा रहा है।

विधुत संरक्षण में बैटरियों का उपयोग

इन दिनों प्रौद्योगिकी के माध्यम से विद्युत संरक्षण के लिए बैटरियों का उपयोग किया जा रहा है ,जो ऊर्जा का भंडारण करती हैं तथा मोटर और मशीन को चलाने के लिए प्रयोग में लाई जाती है। पवन टरबाइन, पनबिजली इत्यादि संयंत्रो का बेहतर संचालन तकनीकी के कारण ही संभव हो सका है।

ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग अनेक संगठन परिवहन और यात्रा के संबंध में अवांछित गतिविधियों को ट्रैक कर यातायात को नियंत्रित करने में कर रहे है यातायात को नियंत्रित कर प्रत्यक्ष तौर पर अत्यधिक ऊर्जा का संरक्षण किया जा सकता है। ड्रोन और मॉनिटर का उपयोग भी इन दिनों बढ़ रहा है ।जिससे उपभोक्ताओं तक आवश्यक वस्तुओं का परिवहन और वितरण आसान होता जा रहा है, इससे ऊर्जा की खपत में कमी भी हुई है ।ऊर्जा के उपयोग की पड़ताल और निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से मानवीय और प्रचालनगत त्रुटियों को समाप्त किया जा सकता है। डाटा साइंस का उपयोग कर उपभोक्ता के उपयोग प्रारूप को अच्छे से समझाया जा सकता है, और आवश्यक सुझाव और चेतावनी देकर कई संस्थाएं अपनी सेवाओं को बेहतर भी बना रही हैं ।आज संयंत्र में में ईंधन के तौर पर कोयले की कमी की खबर राष्ट्रीय समाचार पत्रों में जब तक आती रहती है ।तकनीक के उपयोग से ही संयंत्र के लिए आवश्यक कच्चे माल की कमी का अंदाजा लग जाता है, जिससे वक्त रहते जरूरी कदम उठाए जा सके। देश में जनसंख्या वृद्धि के साथ ऊर्जा की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। ऊर्जा की आवश्यकता भविष्य में आज की अपेक्षा कई गुना बढ़ने वाली है। इन परिस्थितियों में सरकार भी एहतियातन कदम उठाकर अक्षय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ाने का जतन कर रही है।

झूठ फैलाकर उन्माद को हवा देता गोदी मीडिया

" हद तो यह है कि इसी तरह के बदनाम शुदा टी वी चैनल्स के रिपोर्टर्स को उनके झूठ फैलाने के चलते ही कई बार भीड़ के आक्रोश का सामना करना पड़ चुका है। खुद उन्हें अपने ही चैनल में अपने ही द्वारा बुलाये गये मेहमानों से ही लाईव कार्यक्रमों में भरपूर बेइज्ज़ती उठानी पड़ चुकी है। कई कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदार पत्रकार ऐसे चैनल्स को छोड़ अपने यू ट्यूब चैनल चलाकर अपनी लोकप्रियता व वास्तविक पत्रकारिता का प्रमाण दे रहे हैं। और इन सब का नतीजा यह है कि ऐसे सभी गोदी चैनल्स की टी आर पी काफ़ी गिर चुकी है। परन्तु इतना अपमान व ज़लालत सहने के बावजूद ऐसे चैनल्स व उनके पत्रकारों में कोई परिवर्तन आना तो दूर की बात उल्टे उनका स्तर और भी गिरता ही जा रहा है। "

भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों में तत्काल और पूर्ण संघर्षविराम अर्थात फ़ायरिंग और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बन गई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल और पूर्ण संघर्षविराम पर सहमति बनने की जानकारी दी गई थी।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल सीज़फ़ायर पर सहमति जताई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका की मध्यस्थता में हुई एक लंबी बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल सीजफ़ायर पर सहमति जताई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान व्यापक मुद्दों पर बातचीत शुरू करने पर राज़ी हो गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम शांति का मार्ग चुनने में प्रधानमंत्री मोदी और शरीफ़ की बुद्धिमत्ता, विवेक और कूटनीति की सराहना करते हैं। यह युद्ध विराम ऐसे समय हुआ है जबकि भारत पाकिस्तान के मध्य तनाव बढ़ता ही जा रहा थे और दोनों और से एक दुसरे पर हमले व जवाबी हमलों के दावे किये जाने लगे थे। बहरहाल बुद्ध के देश से युद्ध विराम पर सहमति तो जता दी गयी परन्तु इसमें भी कोई शक नहीं कि पहलगाम नरसंहार के बाद भारत ने जिसतरह पाक व पाक अधिकृत कश्मीर स्थित आतंक के गढ़ पर आक्रमण किया उससे न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया को सन्देश चला गया है कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध किसी पंचायत में फ़रियाद लेकर जाने वाला नहीं बल्कि स्वयं आतंक का मुंह तोड़ जवाब देने वाला देश है।

परन्तु पहलगाम आतंकी हमले से लेकर ऑप्रेशन संदूर तक व उसके बाद युद्ध विराम की घोषणा होने तक भारतीय मीडिया ने जिस ग़ैर ज़िम्मेदारी का प्रदर्शन किया है उसकी जितनी भर्तस्ना की जाये वह कम है। ग़ैर ज़िम्मेदाराना प्रसारण के लिये इसी भारतीय मीडिया को देश की उच्च न्यायलय व सर्वोच्च न्यायलय द्वारा अनेक बार झिड़कियां सुननी पड़ीं हैं। कई बार ऐसे कई अनियंत्रित व भड़काऊ मीडिया चैनल्स को मुआफ़ी भी मांगनी पड़ चुकी है,अनेक बार पुलिस व प्रशासन की ओर से ऐसी बेबुनियाद

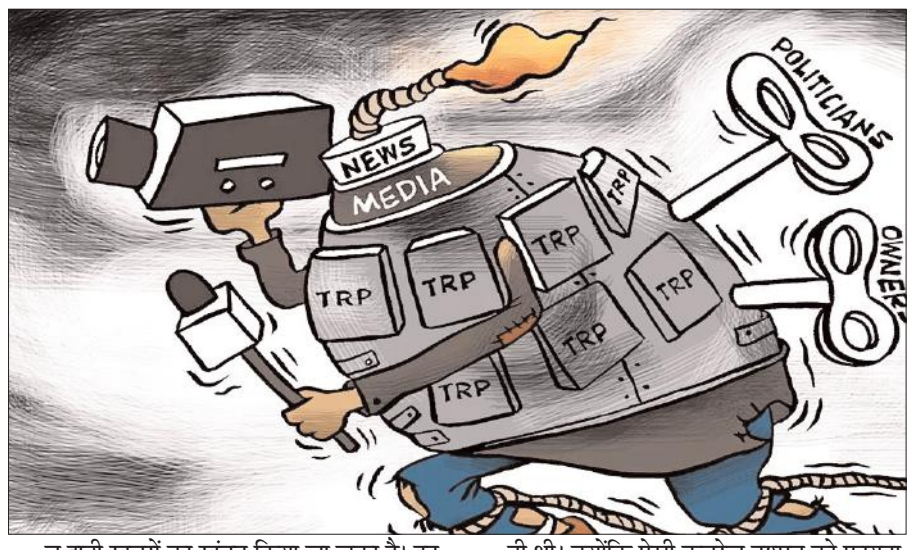

व झूठी ख़बरों का खंडन किया जा चुका है। हद तो यह है कि इसी तरह के बदनाम शुदा टी वी चैनल्स के रिपोर्टर्स को उनके झूठ फैलाने के चलते ही कई बार भीड़ के आक्रोश का सामना करना पड़ चुका है। खुद उन्हें अपने ही चैनल में अपने ही द्वारा बुलाये गये मेहमानों से ही लाईव कार्यक्रमों में भरपूर बेइज्ज़ती उठानी पड़ चुकी है। कई कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदार पत्रकार ऐसे चैनल्स को छोड़ अपने यू ट्यूब चैनल चलाकर अपनी लोकप्रियता व वास्तविक पत्रकारिता का प्रमाण दे रहे हैं। और इन सब का नतीजा यह है कि ऐसे सभी गोदी चैनल्स की टी आर पी काफ़ी गिर चुकी है। परन्तु इतना अपमान व ज़लालत सहने के बावजूद ऐसे चैनल्स व उनके पत्रकारों में कोई परिवर्तन आना तो दूर की बात उल्टे उनका स्तर और भी गिरता ही जा रहा है। यहाँ तक कि भारत पाक के बीच चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच भी सरकार को ऐसे चैनल्स को नियंत्रित रहने की सलाह देनी पड़ी।

पाक प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले व जवाब में भारतीय सेना द्वारा किये गये ऑपरेशन सिंदूर के बाद, भारत सरकार के सूचना मंत्रालय ने मीडिया को ज़िम्मेदाराना व संवेदनशील रिपोर्टिंग करने की हिदायत भी जारी की थी। मीडिया को सलाह दी गयी थी कि वह संयमित रहकर ज़िम्मेदाराना रिपोर्टिंग करे ताकि अफ़वाहें और ग़लत सूचनाएं न फैलें। रक्षा मंत्रालय ने भी 1 मई 2025 को मीडिया से फ़र्ज़ी व भ्रामक ख़बरों से दूर रहने की सलाह दी थी। क्योंकि ऐसी कवरेज दुश्मन को फ़ायदा पहुंचा सकती है और सुरक्षाकर्मियों के लिए ख़तरा पैदा कर सकती है। ग़ौरतलब है कि भारतीय सेना की प्रवक्ता के रूप में कर्नल सोफ़िया क़ुरैशी द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में यह बताया गया था कि ऑपरेशन सिन्दूर पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया गया था। ऑप्रेशन के लक्ष्य के विषय में बताते हुये उन्होंने कहा था कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मी में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें 4 पाकिस्तान और 5 क्क्ष्य में थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी निर्दोष नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया। ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना था कि भारत आतंकवाद को सहन नहीं कर सकता। भारतीय सेना की कर्नल सोफ़िया क़ुरैशी को प्रवक्ता के रूप में पेशकरने के साथ साथ यह भी कहा गया कि पूरा देश, पाकिस्तान के विरुद्ध भारत द्वारा उठाये जा रहे हर फ़ैसले के साथ एकजुट है।

मगर इस अति संवेदनशील घड़ी में भी भारतीय मीडिया सरकारी निर्देशों की गोया धज्जियाँ उड़ाने पर आमादा नज़र आया। गोदी मीडिया अपने चैनल्स पर भरपूर अफ़वाहें,ग़लत सूचनाएं और फ़र्ज़ी व भ्रामक ख़बरें प्रसारित करता रहा। युद्धोन्माद भड़काने के लिये इनके ऐंकर्स टी वी पर बन्दर की तरह उछलते व अभद्र शब्दावलियों का प्रयोग करते भी देखे गये। तनाव के दौरान एक ओर भारतीय सेना अपने रक्षात्मक पक्षों को सामने रख रही थी तो भारत का एक चैनल दावा कर रहा था कि पाकिस्तान के पांच शहर तबाह हो गए जबकि एक दूसरा चैनल पाकिस्तान के 25 शहर तबाह बता रहा था। एक ऐंकर ने उछल उछल कर बताया कि पाकिस्तान के पांच शहर नक़्शे से मिट गये। कोई बता रहा है कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पर क़ब्ज़ा हो गया ,कोई बता रहा है कि कराची पर क़ब्ज़ा हो गया। यूक्रेन-रूस युद्ध के वीडिओ भारत-पाक के बताकर चला दिये गये। किसी ने शाहबाज़ शरीफ़ को बंकर में छुपा हुआ देख लिया तो कोई बता रहा था कि वह भागते हुये दिखाई दिये। किसी चैनल ने लाहौर इस्लामाबाद और सियालकोट पर आईएनएस विक्रांत द्वारा ज़बरदस्त हमले और कराची बंदरगाह के तबाह होने की ख़बर चला दी । तो किसी ने ब्रेकिंग न्यूज़ दी कि -सुबह-सुबह पाकिस्तान के 6 शहर पर टूट पड़ी भारतीय सेना। आश्चर्य की बात तो यह कि यह सभी जानकारियां गोदी मीडिया के पास ही थीं भारतीय सेना या सरकार के पास नहीं।

मीडिया द्वारा देश की एकजुटता को बढ़ावा देने के बजाये नफ़रत परोसने का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर की एक ख़बर के प्रसारण में भी देखने को मिला। यहाँ पुंछ में एक 46 वर्षीय क़ारी मोहम्मद इक़बाल, जोकि स्थानीय मदरसा ज़िया -उल-उलूम में शिक्षक थे तथा एक स्थानीय सम्मानित व धार्मिक व्यक्ति थे, की पाकिस्तानी की ओर से सीमा पार से हुई गोलाबारी में मौत हो गयी। वे आतंकवाद विरोधी तथा राष्ट्रवादी व्यक्ति थे। पुलिस ने स्वयं उनके व्यक्तित्व की प्रशंसा की है। परन्तु इन दलाल चैनल्स द्वारा यह प्रसारित किया गया कि ÷इक़बाल एक आतंकवादी था÷ और उसे भारतीय सेना ने मार गिराया। ज़रा सोचिये ऐसी झूठ बेबुनियाद भ्रामक व ख़बर फैलाकर मीडिया क्या सन्देश देना चाहता है ? इस ख़बर का कश्मीर के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है? क्या वजह है कि इतने संवेदनशील माहौल में भी गोदी मीडिया द्वारा झूठ व अफ़वाह फैलाकर उन्माद को हवा दी गयी ?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

न्यूज ब्रीफ

आंगनवाड़ी के 300 बच्चों को दिखाई गई एनिमेशन फिल्म

इन्दौर। इन्दौर शहर सहित महू के आंगनवाड़ी के बच्चों ने C-21 मॉल स्थित मल्टीप्लेक्स में एनिमेशन फिल्म मुफासा देखी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधौलिया एवं संयुक्त संचालक संध्या व्यास के निर्देशन में पाथ फाउंडेशन द्वारा 03 से 06 वर्ष के 300 बच्चों को एनिमेशन फिल्म दिखाई गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों को केन्द्र से बस द्वारा मॉल स्थित मल्टीप्लेक्स में लाया गया व घर वापस छोड़ा गया। बच्चों ने अपनी पिकनिक का खूब आनंद लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया।

न्यायालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 21 से

इन्दौर। आगामी सप्ताह से ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में सामान्य प्रकरण सुनवाई बंद हो जाएगी सिर्फ अर्जेंट केस की सुनवाई स्पेशल बेंच द्वारा की जाएगी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कैलेंडर के अनुसार हाईकोर्ट में 21 मई से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। इस दौरान अर्जेंट मामलों की सुनवाई हेतु स्पेशल बेंच गठित की जाएगी। वहीं जिला कोर्ट में 19 मई से 13 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश है। 18 मई को रविवार होने के कारण 17 मई ग्रीष्मकालीन अवकाश पूर्व का आखिरी कार्य दिवस होगा अवकाश 18 मई से ही शुरू हो जाएंगा। वहीं 14 जून को शनिवार वर्किंग डे है, जबकि 15 जून को संडे की छुट्टी रहेगी जिसके चलते सामान्य कामकाज 16 जून से ही शुरू होगा।

जिनालय एवं उपाश्रय का भूमि पूजन, निकाला जुलूस

इन्दौर। श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तपागच्छ मूर्ति पूजक धार्मिक ट्रस्ट के तत्वावधान में पुष्प विहार कालोनी, महालक्ष्मी नगर में जिनालय एवं उपाश्रय का भूमि पूजन कार्यक्रम मालव भूषण विश्वरत्न सागर सूरीश्वर जी की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महराज सा. ने कहा कि पुण्य कमाने की फैक्ट्री यदि हमारे मंदिर, जिनालय और धर्म स्थल हैं, तो पाप कर्मों के निवारण और उनके क्षय के स्थान का नाम उपाश्रय है। भूमि पूजन समारोह के पूर्व कालोनी में आचार्य गुरूदेव एवं साधु-साध्वी भगवंतों का मंगल प्रवेश जुलूस भी निकाला गया। समारोह में सुभाष जैन, आशीष जैन, सचिन जैन, वीरेन्द्र नाहर एवं सीए चर्चिल जैन ने सभी की अगवानी की।

नशेड़ी ने फाड़े पोस्टर, नाराज समाजजनों ने की मांग

इन्दौर। एक नशेड़ी ने नशे में अपने साथी के साथ बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व रात्रि पर डॉ. भीमराव आंबेडकर और महर्षि वाल्मीकि के चित्र फाड़ दिए। जानकारी लगने के बाद समाजजन थाने पहुंचे और नशेड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना एरोड्रम थाना क्षेत्र की है। जहां महर्षि वाल्मीकि सामुदायिक भवन पर लगे डॉ. भीमराव आंबेडकर और महर्षि वाल्मीकि के चित्र नशेड़ी ने फाड़े। सामुदायिक भवन की चौकीदार सुमनबाई ने बताया कि पूर्णिमा से पहले रात्रि करीब 10 बजे एक व्यक्ति शराब के नशे में अपने साथी के साथ वहां पहुंचा और चित्रों को निकालकर फाड़ दिये और सुमनबाई को भी अपशब्द कहे। जानकारी लगने के बाद वाल्मीकि समाज के सुभाष धौलपुरे, पलकेश करोसिया, रवि खोखर और अन्य एरोड्रम थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की।

317 लाइनमैनों को चतुर्थ समय वेतनमान मंजूर

इन्दौर। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मालवा-निमाड़ क्षेत्र में कार्यरत 317 लाइनमैनों को सेवा अवधि 35 वर्ष होने पर चतुर्थ समय उच्च वेतनमान मंजूर किया हैं। मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के अनुमोदन उपरांत मंगलवार अपराह्न इसके आदेश जारी कर दिए। बिजली सेवा की रीढ़ कहे जाने वाले इन लाइन कर्मचारियों को नए वेतनमान से प्रतिमाह 3 हजार से चार हजार रूपए का आर्थिक लाभ होगा। पात्रतानुसार इन्हें पिछले एक से डेढ़ वर्ष का एरियर भी प्रदान किया जाएगा।

दो दिवसयीय संभागीय स्तरीय कार्यशाला 15 मई से

इन्दौर। वन अधिकार अधिनिमय 2006 अंतर्गत सामुदायिक वन अधिकारों सामुदायिक वन संसाधन के संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकारों का मान्य दिये जाने विषय पर संभाग स्तरीय कार्यशाला 15 मई को अशासकीय सदस्यों एवं 16 मई को शासकीय सदस्यों के संबंध में कार्यशाला ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर फीनिक्स हॉल में आयोजित की जायेगी। संभागागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य वास्ते ने बताया है कि यह कार्यशाला 15 मई को सुबह 10 बजे से अशासकीय सदस्यों वन अधिकारी समिति के अशासकीय तथा 16 मई को सुबह 10 बजे शासकीय सदस्यों हेतु आयोजित की जायेगी। कार्यशाला में इन्दौर एवं उज्जैन संभाग के कलेक्टर्स, वन मंडलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सहायक आयुक्त जनतातीय कार्य उपस्थित रहेंगे।

हर घर को मिलेगा डिजिटल पता, अपना पोर्टल और ऑन-डिमांड एप की जल्द होगी शुरुआत

इंदौर

नगर पालिका निगम की आगामी डिजिटल योजनाओं को लेकर मंगलवार को एक बैठक हुई। ये बैठक महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सिटी बस ऑफिस ऑडिटोरियम में ली। बैठक में अधिकारियों, एमआईसी मेंबरों के साथ डिजिटल सेवाओं से जुड़ी कंपनियों के प्रेजेंटेशन देखे गए।

हर घर को मिलेगा डिजिटल पता

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इंदौर नगर निगम ने हर घर डिजिटल पता योजना के अंतर्गत प्रत्येक मकान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान देने का काम शुरू कर दिया है। इस पते से लोगों को संपत्ति कर, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, कचरा संग्रहण, शिकायत निवारण जैसी सेवाएं एक ही पोर्टल पर मिलेंगी। इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट वार्ड 82 में शुरू किया गया है, जिसे मॉडल वार्ड के रूप में विकसित किया जा रहा है। महापौर ने प्रेजेंटेशन के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना को जल्द पूरी तरह से शहरभर में लागू किया जाए।

इंदौर को जल्दी मिलेगा अपना नागरिक पोर्टल

इंदौर नगर निगम जल्द ही अपना एकीकृत नागरिक पोर्टल लॉन्च करने जा रहा है, जिससे लोगों को घर बैठे कई प्रकार की सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। इस पोर्टल के लिए संबंधित कंपनी ने प्रेजेंटेशन दिया। महापौर और अधिकारियों ने इसकी समीक्षा भी की। नगर निगम जल्द ही स्मार्ट सिटी की दिशा में एक और कदम उठाते हुए ऑन डिमांड वेस्ट कलेक्शन एप लॉन्च करने जा रहा है। इस एप के माध्यम से लोग आवश्यकता अनुसार कचरा कलेक्शन सेवा बुक कर सकेंगे। इस योजना का पहला प्रेजेंटेशन भी मंगलवार को प्रेजेंट किया गया, जिसमें इसे जल्द लागू करने के निर्देश दिए गए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि ये सभी योजनाएं डिजिटल इंडिया की सोच को साकार करती हैं। इनसे लोगों को पारदर्शी, सुलभ और स्मार्ट सेवाएं मिलेंगी, जिससे इंदौर एक बार फिर स्मार्ट सिटी के रूप में देश में अग्रणी भूमिका निभाएगा। बैठक में एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, निगमायुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाषा मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों मौजूद रहे।

कलेक्टर आशीष सिंह की बड़ी कार्रवाई ; आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त सात आरोपियों को एक साथ किया गया जिलाबदर

इन्दौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी सिलसिले में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त सात आरोपियों को एक साथ जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिन आरोपियों को जिलाबदर किया गया है उनमें गौतमपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम चांदनखेड़ी निवासी शाबिर पिता भीखा पटेल, ग्राम काकवा निवासी रतन पिता मांगीलाल उर्फ मांगू सिंह उर्फ शंकर सिंह तथा ग्राम चांदनखेड़ी निवासी असलम पिता भीखा पटेल, चंद्रावतीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बीबीखेड़ी निवासी अरविन्द पिता उमरावसिंह, क्षिप्रा थाना क्षेत्र के ग्राम सोलसिंधी निवासी देवीसिंह पिता चैनसिंह, बेटमा थाना क्षेत्र के ग्राम हिम्मतगढ़ रंगवासा निवासी हीरासिंह पति गणपतसिंह पंवार तथा खुड़ैल थाना क्षेत्र के ग्राम दुधिया चुनाभट्टी निवासी दीपक उर्फ टिंगू पिता गणेश कौशल शामिल है। इन सभी आरोपियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में हत्या का प्रयास, मारपीट, अश्लील इशारे करना, जमीन पर कब्जा करने, जान से मारने की धौंस देने, आगजनी करने सहित अनेक गंभीर अपराध पंजीबद्ध है।

इन्दौर आरटीओ ने की वाहनों पर कार्यवाही ; बिना फिटनेस 2 स्कूली वाहन एवं 1 बिना परमिट ट्रक जब्त

इन्दौर

इन्दौर में यातायात सुधार के लिये कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत मंगलवार को सख्त कार्रवाई करते तीन वाहनों को जब्त किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन्दौर द्वारा लोकपरिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनो सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग,अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनों की सघन जांच की जा रही है। स्कूल बसों, यात्री बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 13 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। साथ ही बिना फिटनेस के संचालित 02 स्कूल बस, 01 ट्रक सहित कुल 03 वाहन जब्त किए। इस दौरान वाहनों से 40 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

पिज्जा डिलीवरी गर्ल से छेड़छाड़, एफआईआर दर्ज

बडवानी

इंदौर में एक पिज्जा डिलीवरी गर्ल ने साथ काम करने वाले युवक पर छेड़छाड़ और धर्म परिवर्तन के लिए धमकाने का केस दर्ज कराया है। आरोपी ने पीड़िता को अगवा कर ले जाने की धमकी दी। पीड़िता ने अपने मंगेतर को यह बात बताई। सोमवार रात हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी को पकड़ा और पिटाई कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। अन्नपूर्णा पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर इमरान (40) पुत्र अब्दुल खान के खिलाफ छेडछाड़ करने, धमकी देने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के मामले में केस दर्ज किया है। युवती ने बताया कि वह डोमिनोज में पिज्जा डिलीवरी का काम करती है। यहीं पर इमरान भी काम करता है। वह अपना ऑर्डर देने के लिए सोमवार दोपहर खड़ी थी। तभी इमरान उसके पास आया और हाथ पकड़कर कहने लगा कि साथ में चल तुमसे शादी करूंगा।

वॉट्सऐप पर नकली नोट बेचने का सौदाः इंदौर पुलिस ग्राहक बनकर पहुंची, दो युवकों को 40 लाख की नकली करेंसी के साथ पकड़ा

इंदौर

इंदौर के पलासिया इलाके में वॉट्सऐप के जरिए नकली नोट बेचने का सौदा कर रहे दो युवकों को पुलिस ने सादी वर्दी में पकड़ लिया। आरोपियों के पास से करीब 40 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए हैं, जिन्हें उन्होंने असली नोटों की गड्डियों में ऊपर-नीचे छिपा रखा था। पुलिस को शक है कि यह एक बड़े गिरोह से जुड़ा मामला हो सकता है।

डीसीपी हंसराज सिंह जैन की टीम को सूचना मिली थी कि कुछ युवक वॉट्सऐप के माध्यम से नकली नोटों का सौदा कर रहे हैं। इस पर एक विशेष टीम बनाई गई और पुलिस ने खुद को ग्राहक बनाकर वॉट्सऐप पर ही इनसे संपर्क किया। बातचीत के बाद सौदा तय हुआ और दोनों युवकों को पलासिया इलाके में बुलाया गया।

सौदे के मुताबिक, महाराष्ट्र के जलगांव निवासी प्रथमेश येवलेकर और बड़वाह के दीपक कौशल तय समय पर इलाके में पहुंचे। वे एक बैग में नकली नोट लेकर आए थे। पुलिस पहले से ही सादी वर्दी में मौके पर मौजूद थी। जैसे ही दोनों युवक पहुंचे, टीम ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी में उनके बैग से करीब 20 गड्डियों में छिपे नकली नोट मिले। आरोपी असली नोटों को ऊपर और नीचे रखकर नकली नोटों को बीच में छिपाकर लाए थे, ताकि पहली नजर में नोट असली लगें। पुलिस को नकली के साथ कुछ असली नोट भी मिले हैं।

पुलिस का कहना है कि नकली नोट इतने साफ प्रिंट में थे कि आम आदमी के लिए पहचानना मुश्किल होता। अब यह जांच की जा रही है कि आरोपी ये नकली नोट किससे लेकर आए और इनके पीछे कौन लोग हैं। फिलहाल दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है और पुलिस यह मान रही है कि इस रैकेट में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। क्राइम ब्रांच और साइबर सेल को भी इस मामले में जोड़ा गया है। अफसरों ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सकता है।

1 लाख के बदले 4 लाख देने की हुई थी बात

पुलिस के मुताबिक सोशल मीडिया पर जब दोनों से चैटिंग की गई तो उन्होंने 1 लाख के असली नोट के बदले 4 लाख देने की बात कही थी। जिसमें पुलिसकर्मियों ने सौदा पक्का कर लिया। शुरुआत में 4 लाख रुपए लेकर बुलाया। दोनों आरोपियों के पकड़ाने के बाद पुलिस उनके बताए ठिकाने पर पहुंची। यहां से पुलिस ने कुल 40 लाख के नकली नोट बरामद किए हैं।

तरबूज बेचने इंदौर आए भाजपा नेता से मारपीट, कहा-पानी पीने ठहरा था, तभी निगम वाले आ गए, विरोध करने पर पुलिस कर्मियों ने भी पीटा

धार

इंदौर में बीजेपी किसान मोर्चा के मंत्री विक्रम सिंह सिसोदिया से मारपीट का मामला सामने आया है। मंगलवार को वे अपने गांव से इंदौर तरबूज बेचने आए थे। ट्रैक्टर से वे 60 फीट रोड से गुजर रहे थे। इस दौरान एक जगह पानी पीने के लिए ठहर गए। तभी नगर निगम के कर्मचारी पहुंच गए। बहस के दौरान कर्मचारियों ने उनसे और उनके बेटे से हाथापाई कर दी। यहीं नहीं विवाद की सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने भी उनसे मारपीट की है। सिसोदिया ने एरोड्रम पुलिस थाने में शिकायत की है। साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी शिकायत भेजी है। बीजेपी नेता विक्रम सिंह सिसोदिया ने बताया कि मैं भाजपा किसान मोर्चा में मंत्री हूं। इंदौर जनपद पंचायत में प्रतिनिधि भी हूं। मैं ट्रेक्टर से तरबूज लेकर ग्राम रोजडी से बेचने आया था। तभी पंचशील नगर चौराहे (चील चौराहा) पर नगर निगम वालों ने मेरा तराजू (इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा) छीन लिया। उन्होंने मेरे तरबूज भी फेंक दिए। पुलिस वालों के नाम अरविंद मचार, रघुवंशी और सुनील पटेल हैं। उनके साथ एक अन्य व्यक्ति भी था जिसका नाम मुझे नहीं पता है। मेरा निवेदन है कि पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर योग्य कार्यवाही कर मुझे न्याय दें।

म.प्र. आईल मीलर्स एसो. के चुनाव में पार्षद मृदुल अग्रवाल अध्यक्ष एवं अखिलेश गोयल सचिव बने

इन्दौर। प्रदेश के आईल मील संचालकों के प्रतिनिधि संगठन 'मध्यप्रदेश आईल मीलर्स एसोसिएशन इन्दौर' के चुनाव में पार्षद मृदुल अग्रवाल अध्यक्ष एवं अखिलेश गोयल निर्विरोध सचिव चुने गए। संगठन के चुनाव निवृत्तमान अध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी दामोदर असावा के मार्गदर्शन में संपन्न हुए, जिसमें अन्य पदाधिकारियों में संजय काबरा कोषाध्यक्ष, नितिन गोयल एवं संजय अग्रवाल उपाध्यक्ष, प्रमोद तापड़िया संयुक्त सचिव, सुनील अग्रवाल संयोजक चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों में संतोष अग्रवाल, अरुण सोनी, जयेश कुकरेजा, शैलेन्द्र गर्ग एवं हेमंत काकवानी शामिल किए गए।

मालवा निमाड़ में सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन अब 30500 स्थानों पर

केंद्र शासन तीन किलो वॉट के संयंत्र पर दे रही 78 हजार की राहत

इन्दौर

मालवा और निमाड़ के बिजली उपभोक्ताओं में सौर ऊर्जा को लेकर व्यापक उत्साह बना हुआ हैं, पिछले 14 माह के दौरान 15 हजार से ज्यादा बिजली उपभोक्ता अपने यहां रूफ टॉप सोलर नेट मीटर लगा चुके हैं। पिछले वर्ष से लागू पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अब तक 12 हजार उपभोक्ताओं के बैंक खातों में 90 करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी केंद्र शासन से जमा हो चुकी हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि रूफ टॉप सोलर नेट मीटर योजना का मालवा और निमाड़ क्षेत्र में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा हैं। इन्दौर शहर में सबसे ज्यादा बिजली उपभोक्ता पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जुड़ रहे हैं। इसी कारण जहां एक ओर इन्दौर नगरीय सीमा में कुल 16 हजार उपभोक्ताओं के यहां पैनल्स लग चुके हैं, वहीं कंपनी क्षेत्र में कुल 30500 उपभोक्ताओं के यहां पैनल्स लगी हैं। प्रबंध निदेशक सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू होने के बाद लगभग एक वर्ष में 15 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं के यहां पैनल्स स्थापित हो चुकी हैं। इन्हें पात्रतानुसार केंद्र शासन द्वारा सब्सिडी प्रदान की जा रही हैं। अब तक 12 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 90 करोड़ की सब्सिडी जमा हो चुकी हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने पर पहले किलो वाट पर 30 हजार, दूसरे पर तीस हजार एवं तीसरे किलो वाट पर 18 हजार की सब्सिडी दी जाती हैं। इस तरह तीन किलो वॉट के संयंत्र लगाने पर अधिकतम 78 हजार की सब्सिडी दी जाती हैं।

कहां कितने स्थानों पर पैनल्स

इन्दौर मध्य शहर सीमा के साथ ही सीमावर्ती बायपास, सुपर कॉरोडिर, रिंगरोड इत्यादि क्षेत्रों में करीब 16 हजार स्थानों पर पैनल्स लगे हैं। इसके बाद उज्जैन जिले में 3100 स्थानों पर, देवास जिले में 1940 स्थानों पर, रतलाम जिले में 1450 स्थानों पर, खरगोन जिले में 1400 स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन मौजूदा बिजली उपभोक्ताओं द्वारा रूफ टॉप सोलर नेट मीटर स्थापना के साथ किया जा रहा हैं। बड़वानी जिले में एक हजार, धार एवं मंदसौर जिले में 900, नीमच जिले में 875 स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन जारी हैं।

अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा की बैठक में समाजोत्थान के लिए कई प्रस्ताव पारित

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण परिवारों की राष्ट्रीय स्तर पर होगी जनगणना ; 5 साल में 1 लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे

इन्दौर/पुष्कर

अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा ने अगले 5 वर्ष में 1 लाख नए सदस्य बनाने का संकल्प लेते हुए निर्णय लिया कि समाज के हर सदस्य को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी। बैठक में महासभा का भवन बनाने के लिए अखिल भारतीय युवक संघ को अधिकृत करते हुए जनगणना का काम भी सौंपा गया है। बैठक में समाजोत्थान के अनेक प्रस्तावों पर एक राय से सहमति बनी और इनके क्रियान्वयन के लिए एक कोर ग्रुप के गठन का निर्णय लिया गया। राजस्थान के पुष्कर में सम्पन्न सत्र 2025-29 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता समाज के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने की। बैठक में इन्दौर से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि नगरसभा अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास के नेतृत्व में शामिल हुए।

उन्होंने योजना के प्रस्तावित रूप पर चर्चा करते हुए कहा कि समस्त नये सदस्य एक रुपये प्रतिदिन की बचत कर आजीवन सदस्य रहकर पांच लाख तक के दुर्घटना बीमा से लाभान्वित हो सकेंगे। साथ ही गोल्डन मेम्बर होने से समूचे भारत देश में समाज द्वारा निर्मित भवनों के उपयोग पर 25 प्रतिशत छूट का लाभ भी उन्हें मिलेगा। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोशी ने महासभा के मुख्यालय की महति आवश्यकता बताते हुए कहा कि केन्द्रीय कार्यालय भवन दिल्ली या जयपुर में प्रस्तावित होने से उसके निर्माण में अनुमानित बीस करोड़ की राशि खर्च होने पर भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। महासभा अध्यक्ष जोशी ने बताया कि बैठक में युवक संघ द्वारा समाज की जनगणना कराने के प्रस्ताव का महासभा द्वारा चर्चा कर अनुमोदन किया गया। जनगणना कार्य की जिम्मेदारी युवक संघ को प्रदान करने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। महिला महासभा की बैठक की अध्यक्षता कर रही राष्ट्रीय अध्यक्ष माया त्रिवेदी ने महिला सशक्तिकरण तथा शिक्षा सेवा कार्यों के साथ ही युवा बेटियों व बहुओं को जिम्मेदारी देने पर विस्तार से कार्य योजना पर चर्चा करते हुए प्रस्ताव लिए जाने पर महासभा द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन भी किया गया। इधर युवक संघ की हुई बैठक में राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अनिल जोशी ने संस्कारों का महत्व बताते हुए युवाओं से मर्यादाओ में रह कर महासभा के विधान के अनुसार कार्य करने व विधान के अनुसार लिए गये प्रस्तावों को जिम्मेदारी के साथ क्रियान्वयन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महासभा अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने संगठन की एकता तथा अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि समाज के किसी भी पदाधिकारी या सदस्य द्वारा अनुशासनहीनता किये जाने पर महासभा के विधान के अनुसार उनसे स्पष्टीकरण मांगे जाने का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

महासभा द्वारा एक लाख नये सदस्य जोड़े जाएंगे

बैठक में पारित प्रस्तावों की जानकारी देते हुए उपप्रधानमंत्री मधुसूदन जोशी ने बताया कि समाज का हर एक सदस्य आर्थिक रूप से समृद्ध हो इस बाबत कार्ययोजना बनाना आवश्यक है। महासभा के उद्देश्यों व रीति नीति व प्रस्तावित बिन्दुओं पर बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा विस्तृत चर्चा कर सर्वानुमति से लिए गए प्रस्तावों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान के आर्थिक युग में महासभा की आर्थिक स्थिति को समृद्ध बनाने बाबत युवक संघ द्वारा लिए गए प्रस्ताव पर सहमति जताई तथा कार्य योजना पर प्रकाश डालते हुए आगामी वर्षों में महासभा द्वारा एक लाख नये सदस्य जोड़े जाएंगे। ये सभी सदस्य गोल्ड मेम्बर कहलायेंगे।

पेपर, विज्ञापन, समाचार, एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

इंदौर क्षेत्र में पेपर,विज्ञापन ,समाचार,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

महेश सिनकर

संभागीय ब्यूरो इंदौर

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की फ्लेगशीप योजनाओं की समीक्षा

घटिया निराकरण पर बिजली विभाग को शो कॉज नोटिस

बिलासपुर

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजनओं और लंबित मामलों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बिल्हा में बिजली विभाग को मिले आवेदन का घटिया तरीके से निराकरण पर जिम्मेदार अधिकारी को शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 5 लाख लोगों का आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बनाये जाने पर नाराजगी जाहिर की और 30 जून तक शतप्रतिशत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्ड बनाने में सामाजिक संगठनों का सहयोग लेने को भी कहा है। बैठक में निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के युक्ति युक्तकरण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोई भी स्कूल अथवा शिक्षक इसके दायरे से छूटना नहीं चाहिए। इससे शिक्षक विहीन अथवा एक शिक्षकीय स्कूलों की समस्याएं दूर होंगी। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में शुरूआती दिक्कतें आ सकती हैं। ये दिक्कतें सभी जिलों

में होती हैं। बावजूद इसके कुछ जिले अच्छा प्रदर्शन करते पाये गये हैं। उनके तौर-तरीके और अनुभव का लाभ लेकर हमें भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। विशेषकर आयुष्मान कार्ड के सिलसिले में उन्होंने ये बातें कही। कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों से कहा कि बिना अनुमति के कोई भी मुख्यालय से बाहर नहीं जायेगा। सभी सिविल सेवा आचरण नियमों का पालन करें। समय पर कार्यालय पहुंचे। शासकीय कार्य में अनुशासन हीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को सोमवार और मंगलवार को मुख्यालय में ही रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोग विभिन्न कामों को लेकर अफसरों से मुलाकात करने आते हैं, उनसे भेंट कर समस्या का निराकरण किया जाये। भू-अर्जन हो जाने के बाद उस जमीन का नामांतरण संबंधित विभाग के नाम पर हो जाने चाहिए। अन्यथा बाद में विवाद पैदा होता है। कलेक्टर ने कहा कि अगले महीने से स्कूल खुलने वाले हैं। इसलिए जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र शिविर लगाकर दिए जाएं। हाई कोर्ट एवं अन्य न्यायायल से जुड़े मामलों को लंबित नहीं रखने और इनके त्वरित निराकरण एवं पालन प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए हैं।

निजी स्कूलों की मनमानी पर आप का विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

फ़तवा /भूपेंद्र सिंह गंभीर/मनेन्द्रगढ़

आम आदमी पार्टी मनेन्द्रगढ़ इकाई ने जिले के निजी स्कूलों में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष विशेष सोनी ने जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपते हुए शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित मानकों और शासन के दिशा-निर्देशों की खुलेआम हो रही अवहेलना की ओर ध्यान आकर्षित किया। ज्ञापन में कहा गया है कि जिले के अधिकांश निजी स्कूल व्यापारिक मंशा से काम कर रहे हैं और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। विशेष रूप से यह आरोप लगाया गया है कि स्कूल प्रशासन चुनिंदा दुकानदारों से मिलकर कमीशनखोरी की नीति अपना रहे

हैं, जिसके तहत छात्रों को केवल उन्हीं दुकानों से किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। यह सामग्री बाजार दर से 400 से 500 प्रतिशत तक महंगी बेची जा रही है, जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बच्चों को पढ़ाना मुश्किल होता जा रहा है। विशेष सोनी ने प्रशासन से मांग की है कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कर उचित कार्यवाही की जाए। उन्होंने आग्रह किया कि शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, सुगम और न्यायसंगत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी अभिभावक को अनावश्यक आर्थिक दबाव का सामना न करना पड़े।

मनेन्द्रगढ़ को मिली एक और बड़ी सौगात! परसगढ़ी में खुलेगा फिजियोथैरेपी कॉलेज

एमसीबी/मनेंद्रगढ़–प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल अब रंग ला रही है। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ के परसगढ़ी में जल्द ही फिजियोथैरेपी कॉलेज की स्थापना की जाएगी – यह न सिर्फ क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा और करियर के नए द्वार खोलेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई दिशा देगा।

निरीक्षण टीम में शामिल थे–

डॉ. अविनाश मेश्राम (डीन अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज), डॉ. परमानंद अग्रवाल, प्रशासनिक अधिकारी जगदीश प्रसाद सिंह, तथा अन्य अधिकारीगण। यह पहल न केवल मनेन्द्रगढ़, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक गौरव का विषय है। स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास–अब कदम दर कदम मनेन्द्रगढ़ आगे बढ़ रहा है।

रेत माफियाओं का आतंक, पेट्रोलिंग पर निकले आरक्षक की निर्मम हत्या

बलरामपुर (छत्तीसगढ़)

जिले के छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा क्षेत्र में रेत माफियाओं के बढ़ते आतंक ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को चुनौती दी है। सनावल थाना क्षेत्र के लिब्रा गांव में पेट्रोलिंग पर निकली पुलिस टीम पर रेत माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें एक आरक्षक की दर्दनाक हत्या कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, झारखंड से सटे गांव लिब्रा में अवैध रेत उत्खनन की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान रेत माफियाओं ने हमला कर दिया, जिसमें एक आरक्षक की मौके पर ही जान चली गई। घटना के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से कन्हर नदी के किनारे अवैध रेत खनन होता आ रहा है, जिसकी शिकायत कई बार प्रशासन को दी गई, लेकिन माफियाओं पर लगाम नहीं लगाई गई। अब जब पुलिस पर ही हमला हो गया, तो ग्रामीणों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। सनावल क्षेत्र छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम का गृहग्राम है, लेकिन इसके बावजूद रेत माफियाओं की दबंगई लगातार बनी हुई है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंत्री से सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इधर, जिला पंचायत सदस्य ने इस मामले में पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई अधिकारी अवैध रेत कारोबार से उगाही कर रहे हैं। उनका आरोप है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई होती, तो आज एक सिपाही की जान नहीं जाती। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर, एसपी, और डीएफओ सहित आला अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। निरीक्षण के बाद एसपी ने बताया कि अवैध रेत उत्खनन की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी और आरक्षक मौके पर पहुंचे थे। कार्रवाई के दौरान यह दर्दनाक घटना हुई। मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है, और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और अब यह घटना पूरे प्रदेश में रेत माफिया और प्रशासनिक गठजोड़ पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

कोरेक्स खपाने के फिराक में 01 सरगना के विरूध्द थाना पुलिस की बाराद्वार कार्यवाही

सक्ती

41 नग कोडिनयुक्त आनरेक्स कप सिरप एवं 09 नग कॉडिंयुक्त विंनसरेक्स कप सिरप मादक पदार्थ व कार के साथ गिरफतार भेजा गया जेल नाम आरोपी - रितेश गबेल पिता पुरूषोत्तम गबेल उम्र 26 साल निवासी चैनपुर थाना करतला जिला कोरबा (छग) घटना का विवरण - मामले का विवरण इस प्रकार है कि पुलिस अधीक्षक सक्ती सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा शान्ति व्यवस्था रखने के मद्देनजर रखते हुये अवैध जुआ, शराब, मादक पदार्थ बिक्री व परिवहन करने वाले अपराधियों पर अकुंश लगाने हेतु अधिक से अधिक कार्यवाही करने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , श्री हरीश यादव जी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्री मनीष कुंवर सक्ती के मार्गदशन पर थाना प्रभारी निरी. लखन लाल पटेल थाना बाराद्वार दिनांक 12.05.25 को मुखबीर से सुचना मिला कि रेल्वे ओवर ब्रीज के नीचे रितेश गबेल पिता पुरूषोत्तम गबेल उम्र 26 साल निवासी चैनपुर थाना करतला जिला कोरबा (छग) अपने कार के डिक्की के अंदर मादक पदार्थ कोडिन सिरप रखा है उसे खपाने के लिए ग्राहक तलाश इंतजार कर रहा है जिसकी सूचना पर तत्काल टीम बनाकर रेड कार्यवाही कर आरोपी अंदर 41 नग कोडिनयुक्त आनरेक्स कप सिरप एवं 09 नग विंनसरेक्स कप सिरप कुल 50 नग मादक पदार्थ एवं टाटा पंच कार को जप्त किया गया जिसे नारकोटिक्स एक्ट के प्रावधानो के तहत विधिवत् कार्यवाही कर धारा 21 सी नारकोटिक्स एक्ट का सबुत पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर मान.न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक लखन लाल पटेल, सउनि उपेन्द्र यादव ,प्रआर. मनीष राजपूत ,आर. योगेश राठौर , आर. दिलसाय सोनवानी , आर. अजय बंजारे ,आर. रामनिवास उरांव, आर. बुधेशर पटेल का योगदान रहा।

क्षेत्र के लोगों ने याद किया राजा सुरेन्द्र बहादुर सिंह जी को कहा वे सक्ती की शान थे

सक्ती

पूर्व सक्ती रियासत के राजा स्वर्गीय सुरेंद्र बहादुर सिंह जी को उनके तेरहवीं में राजनेताओं ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।सांसद कमलेश जांगड़े ,खनिज आयोग के अध्यक्ष सौरभ सिंह सहित पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष नारायण चंदेल विधायक सुशांत शुक्ला और खाद्य एवं ग्रामीण उद्योग के अध्यक्ष श्री राकेश पांडे जी ने भी पहुंच कर पुष्पांजलि अर्पित की, पीला महल में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र भर से लोगों ने पहुंचकर राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह जी को याद किया और उनके उत्तराधिकारी जिला पंचायत सदस्य राजा धर्मेंद्र सिंह को उनके पद चिन्ह पर चलने और महल के यश को बरकरार रखने की आशा व्यक्त की। सभी ने एक स्वर में राजा साहब को याद करते हुए कहा कि वह सक्ती के सशक्त और मजबूत नेता थे उन्होंने पूरे प्रदेश में ही नहीं वरन

भारत में एक नई पहचान दिलाई है।पीला महल में राजा के ऐतिहासिक क्षणों को यादगार बनाने के लिए उनके पूरी जीवन की पुराने बचपन, जवानी वर्तमान तक की पुरानी तस्वीर प्रदर्शित किया गया था। जिसे आने वाले उनके समर्थक देख रहे थे और भाव विभोर हो रहे थे ।राजा को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार को महल में नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल,पूर्व विधायक चैन सिंह सामले दिनेश शर्मा जी पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन जी पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश बाजपाई भाजपा जिला अध्यक्ष टिकेश्वर जी गगन जयपुरिया जी अभिषेक शर्मा जी आशा साहू देवेन्द्र अग्निहोत्री चोलेशवर चंद्राकर अर्जुन राठौर जिला पंचायत सदस्य आयु शर्मा धनंजय नामदेव और गांव एवं आए शहर से लगभग 5 हजार से ज्यादा की संख्या में जनता ने अपने राजा को याद करके उनका आखिरी श्रद्धांजलि अर्पित किए।

कृषि सखियां सिखाएंगी किसानों को जैविक खेती के गुर कोटा में एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बिलासपुर

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत कोटा ब्लॉक के करगीकला में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 21 कलस्टर में प्रति क्लस्टर दो कृषि सखी का चयन जिला समिति के द्वारा किया गया है, 42 चयनित कृषि सखियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। ये कृषि सखियां कोटा ब्लॉक के 2665 किसानों को जैविक खेती के विषय में जानकारी देंगी। उप संचालक कृषि बिलासपुर श्री पी.डी. हथेश्वर ने बताया कि अब किसानों को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है ताकि किसानों को रसायन मुक्त खेती अपनाने और खेती की लागत कम करने में मदद मिल सके। इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर की वैज्ञानिक शिल्पा कौशिक ने कृषि

सखियों को प्राकृतिक खेती में उपयोग की जाने वाली गौ आधारित इनपुट बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी स्वयं तैयार कर खेती में उपयोग करने और किसानों को जागरूक करने कृषि सखियों को जानकारी दी गई। आगामी माह में और भी प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती के विषय में जानकारी दी जाएगी, जिससे किसान प्राकृतिक खेती करने की ओर अग्रसर होंगे। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड कोटा श्री संतोष टोण्डे ने कहा कि प्राकृतिक खेती से न केवल स्वस्थ वातावरण, उपयुक्त उत्पादकता तथा प्रदूषणमुक्त खाद्य प्राप्त होगा बल्कि इसके द्वारा संपूर्ण ग्रामीण विकास की एक नई स्वावलंबी प्रक्रिया शुरू होगी। प्रशिक्षण के दौरान शाखा प्रभारी प्राकृतिक खेती श्री विनोद साहू ने बताया कि प्राकृतिक खेती में कीट प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों की जानकारी एवं खरीफ फसलों में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले मित्र कीटों की पहचान बताने के साथ इनके संरक्षण के उपाय बताए गए तथा प्राकृतिक खेती की आवश्यकता, प्राकृतिक खेती के लाभ, प्राकृतिक खेती के महत्व एवं प्राकृतिक खेती में पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं व्याधि नियंत्रण के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री सुजीत कंवर ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती प्रारंभ करने के पूर्व खेत से मिट्टी नमूना लेने की तकनीक एवं मिट्टी नमूना लेकर जांच कराने के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया और किसानों को मिट्टी नमूना एकत्रित कर जांच करवाने हेतु जागरुक करने की सलाह दी। कार्यशाला में पी.डी. हथेश्वर, उप संचालक कृषि बिलासपुर, शिल्पा कौशिक,कृषि विज्ञान केन्द बिलासपुर, संतोष टोण्डे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी वि.ख. कोटा, विनोद साहू, रामनरेश सेन, शिवकुमार साहू, प्रमोद राजपूत, धरम सिंह पैकरा, अमर सिंह पैकरा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं मीना पीआरपी सहित कृषि सखी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रही।

छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन, समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

धर्मेंद्र वस्त्रकर
स्थानीय संपादक कार्यालय बिलासपुर

सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर 4 अधिकारियों पर जुर्माना अधिरोपित

अनवर खान /फतवा/मंडला

मंडला सीएम हेल्पलाईन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का व्यक्तिगत रूचि लेकर शत-प्रतिशत निराकरण समय-सीमा में किये जाने हेतु प्रत्येक समय-सीमा बैठक में निर्देशित किया जाता है। इसके बाद भी कतिपय सी.एम. हेल्पलाईन पोर्टल पर माह अप्रैल-2025 में प्राप्त शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में नहीं किये जाने के कारण शिकायतें बिना निराकरण दर्ज हुये अनिराकृत होते हुये अगले लेवल अधिकारी के लेवल में प्रेषित हुई हैं। जिससे जिले की मासिक एकजाई ग्रेडिंग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और शासन स्तर पर जिले की छवि धूमिल हुई है। सीएम हेल्पलाईन में शिकायतों को नॉट अटेण्ड करने वाले अधिकारियों की स्वेच्छाचारिता एवं शासन के महत्वाकांक्षी योजना के प्रति लापरवाही का परिचायक है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देश पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जुर्माने की कार्यवाही की गई है। एसडीएम घुघरी पर एक हजार रूपए, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी बीजाडांडी पर एक हजार रूपए, सर्किल हेड एचडीएफसी बैंक पर 500 रूपए तथा वरिष्ठ उप पंजीयक पर 500 रूपए का जुर्माना अधिरोपित किया है। अधिरोपित जुर्माना की राशि एक दिवस के अंदर जिला रेडक्रॉस सोसायटी मण्डला के खाते में जमा करते हुये पावती अभिस्वीकृति प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रहलाद पटेल कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास का जिले में आगमन 16 मई को !

सिंगरौली ! प्रहलाद पटेल कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास का सिंगरौली जिले में आगमन 16 मई 2025 को होगा । जारी कार्यक्रम के तहत मंत्री श्री पटेल जिले में विभिन्न कार्यक्रमों शिरकत करेंगे। मंत्री श्री पटेल सर्वप्रथम कंचन नदी उद्गम स्थल ग्राम पिड़ारवा, ग्राम पंचायत तेंदुहा कंचन उद्गम स्थल का निरीक्षण कर पूजा अर्चन, श्रमदान साफ सफाई के साथ साथ स्थानीय निवासियों से जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में संवाद भी करेंगे । तत्पश्चात ग्राम पंचायत गढ़हरा में जल संरचना का निरीक्षण एवं मेरी नदी मेरी वाटिका समूह के सदस्यों एवं ग्रामीणों से संवाद करेंगे । कैबिनेट मंत्री उक्त कार्यक्रम के पश्चात राजमाता चुनकुमारी स्टेडियम में आयोजित पांच सरपंच सम्मेलन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। तथा आजीविका समूह के उत्पादों, स्टालों का अवलोकन भी करेंगे । मंत्री श्री पटेल के भ्रमण कार्यक्रम का समय प्राप्त होते ही पृथक से जारी किया जाएगा।

मैरिट सूची में आने पर छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों, माला कोचिंग और माता पिता को दिया

कटनी।

कक्षा दसवीं की छात्रा पूजा चौधरी ने हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2025 में 500 में से 492 अंक अर्जित कर 98.4 प्रतिशत के साथ अपने माता-पिता के साथ-साथ माला कोचिंग संस्थान जिला को गौरवान्वित किया है। सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल करने वाली छात्रा मध्यप्रदेश की मेरिट सूची में 9 वे पायदान हासिल करने के साथ-साथ जिले में दूसरा स्थान अर्जित किया है। छात्रा पूजा चौधरी ने अभूतपूर्व उपलब्धि का श्रेय माला कोचिंग संस्थान की संचालक माला उपाध्याय मैडम के कठिन परिश्रम, लगन एवं उनके द्वारा दिए गए दिशा निर्देश को दिया है । साथ ही साथ कोचिंग संस्थान के छात्र सचिन 500 में से 469 (93.8 प्रतिशत) पूर्वी 500 में 468(93.6 प्रतिशत) राधा 500 में से 453 (90.6)अंकों के साथ माला कोचिंग संस्थान का नाम रोशन किया है। कोचिंग संस्थान में अध्ययन 10 उत्तीर्ण समस्त छात्र-छात्राओं को माला कोचिंग संस्थान की मैडम माला उपाध्याय सहित गुरुजनों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं बधाई प्रेषित करते हैं ।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तहत सामूहिक विवाह समारोह में 179 वर वधु परिणय सूत्र से बंधे रानी दुर्गावती स्टेडियम शहपुरा में हुआ संपन्न

रिपोर्ट:दुर्गेश बर्मन

डिंडौरी = (फतवा) कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के मार्गदर्शन में रानी दुर्गावती स्टेडियम शहपुरा में मंगलवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार, नगर परिषद अध्यक्ष शहपुरा श्रीमती शालिनी अग्रवाल, नगर परिषद उपाध्यक्ष जीतेन्द्र चन्देल, जनपद अध्यक्ष शहपुरा श्रीमती प्रियंका आर्मो, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति प्रकाश धुर्वे सहित सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, उप संचालक सामाजिक न्याय श्याम सिंगौर, सीईओ जनपद पंचायत शहपुरा अरविंद बोरकर सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम जनपद पंचायत शहपुरा के 179 वर-वधु परिणय सूत्र से बंधे। प्रशासन ने सभी युगलों को टोकन प्रदान करने की व्यवस्था की। कार्यक्रम में नृत्य, गुदुम बाजा की रोचक प्रस्तुति दी गयी, विवाह पूरी रीति

रिवाज से सम्पन्न हुए।

सांसद कुलस्ते ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित इस भव्य सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह योजना न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान करती है, बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का भी प्रतीक है। आज जिन नवदम्पत्तियों का विवाह हुआ है, उन्हें मैं शुभकामनाएं देता हूँ और उनके सुखद व समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना करता हूँ। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही यह योजना वास्तव में गरीब और वंचित वर्ग के लिए एक वरदान साबित हो रही है। हम सभी को मिलकर ऐसे आयोजनों को सफल बनाना चाहिए। शहपुरा विधायक धुर्वे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में उपस्थित सभी नवविवाहित जोड़ों को हार्दिक बधाई देता हूँ। यह योजना समाज के उन वर्गों के लिए बहुत सहायक है, जो संसाधनों की कमी के कारण विवाह जैसे संस्कार को पूरे रीति-रिवाज़ों से नहीं कर पाते। राज्य सरकार की यह पहल सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे आयोजनों से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। मैं आयोजन समिति को धन्यवाद देता हूँ और नवदम्पत्तियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद कुलस्ते सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में जोड़ों को प्रतीकात्मक चैक प्रदान किया गया, जिसकी राशि 179 वर-वधुओ को ऑनलाइन उनके बैंक खाते में प्रदान की गई। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह में दोनों पक्ष के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में परिवारजनों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। सभी के भोजन के पश्चात् कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामूहिक विवाह समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि वर-बधुओं को शुभकामनाएं दी।

पत्रकारो के हक में 15 मई को बालाघाट से निकलेगी पत्रकार न्याय यात्रा

अनवर खान ब्यूरो चीफ

मण्डला। पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने को लेकर पूरे प्रदेश के पत्रकार लामबंद हो चुकें हैं जिसको लेकर समय-समय पर ज्ञापन आदि सौंपे गए हैं लेकिन अब तक सरकार ने पत्रकार सुरक्षा कानून का मुसौदा भी तैयार नही किया है जिससे पत्रकारों में रोष है। वहीं अन्य मांगे भी लंबित चल रही हैं जिसको लेकर बालाघाट जिले के पत्रकार 15 मई से पत्रकार न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। यह यात्रा बालाघाट से आरंभ होगी जो सिवनी, मंडला, ड्क्षडंडौरी अनूपपुर सहित अन्य जिले होते हुए भोपाल पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य पत्रकारों की लंबित मांगे और हो रहे हमलों पर है। इस न्याय यात्रा का मंडला में 15 मई की शाम को भव्य स्वागत किया जायेंगा। इस न्याय यात्रा को किसी भी पत्रकार संगठन से जोड़ा नही गया है यह पूरे प्रदेश के पत्रकारों के हित में है जिसका संचालन बालाघाट के युवा पत्रकार कर रहे हैं। वाय कार यात्रा में निकल रहे पत्रकारों को हर जिले में समर्थन प्राप्त है। बालाघाट के पत्रकार साथियों ने बताया कि बालाघाट जिले से 15 मई को 7 पत्रकार हिमांशू जैन, आशीष भगत, विजय मिश्रा, मिलिंद्र ठाकरे, अंकुश चौहान, रोहित नायड, डिकेश राणा बालाघाट से भोपाल के लिए रवाना होंगे। पत्रकार न्याय यात्रा 11 जिलों में पत्रकारों से मिलकर ज्ञापन में हस्ताक्षर कराकर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समर्थन पत्र लेकर आगे चलती रहेगी। सिवनी, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, उमरिया, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, और भी अन्य जिलों से पत्रकार न्याय यात्रा भोपाल में जाकर समाप्त होगी। जहां प्रदेश के मुखिया के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के मुख्य बिंदु मध्यप्रदेश में पत्रकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। पत्रकारों के हितों में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होना हितकारी है। पत्रकारों की शिकायतों के संबंध में मध्यप्रदेश के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जांच के उपरांत ही कार्यवाही होनी चाहिए। परंतु ऐसा नही हो रहा है। शिकायत की जांच पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में ही होना सुनिश्चित किया जाए। जनसंपर्क विभाग प्रदेश, संभाग, जिला एवं तहसील स्तर पर पत्रकारों की सूची तैयार कर शासकीय कार्यालय एवं पुलिस थानों में उपलब्ध कराए। भिंड में पत्रकारों के साथ मारपीट, बालाघाट में पत्रकार पर चाकूबाजी, सीधी में पत्रकार का घर जलाना जैसी घटनाओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षण और ऐसी घटनाओं की पुनरावृति ना हो को लेकर भी ज्ञापन में उल्लेख किया जाएगा। पत्रकार न्याय यात्रा किसी पत्रकार संगठन की नहीं बल्कि हम सब पत्रकारों की यात्रा है।

नेशनल लोक अदालत परिसर में अधिवक्ताओ ने उपस्थित पक्षकारो की समस्याओ पर ध्यान रखा और निराकरण का प्रयास किए

कटनी।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार,माननीय प्रधान जिला एंव सत्र न्यायधीश एंव अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण माननीय जितेन्द्र कुमार शर्मा जी के मार्गदर्शन मे जिला सहित अन्य जिला न्यायालय और तहसील न्यायालय. नगर-निगम सहित कई विभागों द्वारा शिविर लगाए गए. उक्त आयोजित नेशनल लोक अदालत कार्यक्रम प्रारंभ में सर्वप्रथम जिला प्रधान एंव सत्र न्यायधीश माननीय जितेन्द्र कुमार शर्मा जी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा और महात्मा गांधी के तैलय चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ इस अवसर पर समस्त सम्मानित न्यायधीशगण और जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित कुमार शुक्ला सहित अन्य अधिवक्ताओ , जिला अभियोजन अधिकारीगण ,लोक अभियोजकगण, लीगल एड डिफेंस कॉउसिल के अधिवक्तागण एंव अन्य विभागों के अधिकारीगण और न्यायालय के समस्त कर्मचारियों की उपस्थित रही ।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आम जनों की समस्यायें

उमरिया।

साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आये लोगों की समस्याओं को सुना तथा उनका निराकरण भी कराया । जनसुनवाई में बुद्दन बाई ग्राम बस्कुटा ने भूमि का सीमांकन कराने, राजेश बहादुर सिंह ग्राम कछरवार ने पीएम किसान सम्मान निधि मे नाम जोड़ने, कमलेश पाल ग्राम मझगवां ने आराजी पट्टे की भूमि से कब्जा हटवाने, रूरू बैगा ग्राम कुराबर ने मजदूरी का भुगतान कराने, भीमसेन चौधरी मानपुर ने पुत्री के विवाह की सहायता राशि दिलाने, कमलेश सिंह ग्राम महामन ने भूमि का सीमांकन ।

जिले में पात्र परिवारों को जून से अगस्त 2025 तक की राशन सामग्री एकमुश्त वितरित की जाएगी

रिपोर्ट:दुर्गेश बर्मन

डिंडौरी = (फतवा)आगामी मानसून सीजन में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राज्य शासन द्वारा राशन सामग्री के समय पर वितरण को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, संचालनालय म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों को माह जून से अगस्त 2025 तक की राशन सामग्री एकमुश्त वितरित की जाएगी। निर्देशानुसार, मई माह की राशन सामग्री का वितरण 20 मई 2025 तक सुनिश्चित किया जाएगा। तत्पश्चात 21 मई 2025 से पात्र परिवारों को जून, जुलाई एवं अगस्त 2025 की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण प्रारंभ किया जाएगा। इसमें खाद्यान्न, शक्कर, नमक सहित MDM, ICDS व मुख्यमंत्री कन्या योजना की सामग्री शामिल है। प्रमुख निर्देश एवं व्यवस्थाएं इस प्रकार हैं: AAY (अंत्योदय) परिवारों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न एवं 1 किलो शक्कर प्रदान की जाएगी। प्राथमिकता श्रेणी के परिवारों को प्रति सदस्य 5 किलोग्राम खाद्यान्न तथा सभी AAY व प्राथमिकता परिवारों को 1 किलो नमक प्रति परिवार दिया जाएगा। समस्त राशन सामग्री का उठाव 31 मई 2025 तक कर उचित मूल्य दुकानों में भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों को माहवार क्रम में POS मशीन पर बायोमैट्रिक अथवा OTP (ऑफलाइन दुकानों में समग्र ID से) सत्यापन कर राशन का वितरण किया जाएगा। किसी भी दशा में वितरण पंजी के माध्यम से राशन वितरण मान्य नहीं होगा। राशन वितरण के बाद POS मशीन से जारी पावती को परिवहनकर्ता द्वारा अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा। उचित मूल्य दुकानों पर सामग्री के भंडारण एवं वितरण की निगरानी GPS और विभागीय अमलों द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अनुबंधित परिवहनकर्ताओं से राशन सामग्री समय-सीमा में पहुंचाई जाएगी। खाद्य, सहकारिता एवं राजस्व अमला अग्रिम प्रदाय राशन की मात्रा एवं भंडारण स्थल का सत्यापन करेगा। वितरण की समुचित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए अनियमितता पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जनप्रतिनिधियों को भी जानकारी देकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अतः डिंडोरी जिले के सभी पात्र परिवारों से अपील की जाती है कि वे 21 मई 2025 से अपनी शासकीय उचित मूल्य दुकान से पात्रतानुसार जून से अगस्त 2025 तक की एकमुश्त राशन सामग्री अवश्य प्राप्त करें।

डीआईजी, कलेक्टर तथा एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

सीधी

जिले में आगामी 15 मई को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सीधी तथा मझौली के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत उप पुलिस महानिरीक्षक राजेश सिंह, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा द्वारा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होने कार्यक्रम के लिए निर्माणाधीन हेलीपैड तथा कार्यक्रम स्थल में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए।

हेलीपैड तथा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंच तथा हेलीपैड में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए सभी सेक्टरों में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारियों से की गई आवश्यक तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा सभी तैयारियां निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी मझौली आरपी त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रोशनी ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा आयुष्मान कार्डधारी मरीज के लिए बनी वरदान

जिले से सातवें मरीज को मिला योजना का लाभ आकस्मिक स्थिति में खजुराहो एयरपोर्ट से मरीज को भोपाल अस्पताल एयर एंबुलेंस से रैफर किया गया

छतरपुर

पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा आयुष्मान कार्डधारी मरीज के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे मरीज को अतिआकस्मिक स्थिति में और बेहतर उपचार के लिए रैफर होने में तत्काल मदद मिलती है और कम समय में मरीज को एयर एंबुलेंस के माध्यम से रैफर किया जाता है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन और अनुमति पर सोमवार को जिले से सातवें मरीज को एयर एंबुलेंस से रेफर किया गया है। जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती हुई उमा सोनकिया पत्नी कमलेश सोनकिया उम्र 42 साल निवासी नौगांव को सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अर्धबेहोशी में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिला अस्पताल में तोशीफ खान पीजीएमओ सर्जन द्वारा मरीज को देखा गया। स्थिति गंभीर होने पर शीघ्र हायरसेंटर रेफर करने की सलाह दी गई। इस संबंध में एसडीएम अखिल राठौर, सीएमएचओ डॉ. आर.पी. गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. शरद चौरसिया द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मरीज को 108 एंबुलेंस से खजुराहो एयरपोर्ट ले जाया गया और एयर एंबुलेंस से भोपाल भेजा गया। जहां बंसल हॉस्पिटल में मरीज को भर्ती कराया गया। मरीज के परिजनों ने इस योजना के लिए सरकार का आभार जताया है। इस कार्य में डॉ. संजना रॉबिंसन, डीसी रोहित अरजरिया (एंबुलेंस 108), नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ का सहयोग रहा। इस योजना का जिले से अब तक 7 मरीजों को लाभ मिला है।

जीरापुर नगर के एडवांस्ड किड्स स्कूल का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

राजगढ़

मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10 वीं व 12 वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए जिसमे इस वर्ष भी एडवांस्ड किड्स एकेडमी का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 10 वीं की छात्रा अन्नपूर्णा गादिया 94.8प्रतिशत,मानवी गुप्ता 93 प्रतिशत, शुभी जैन 92.4प्रतिशत,आराध्या गुप्ता

88.8प्रतिशत व अनंत जैन ने 88.8प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं विज्ञान संकाय की छात्रा राधिका कारपेंटर 94.8प्रतिशत, आनिकेत मंडलोई 88.4प्रतिशत, अपूर्व जैन 83.8प्रतिशत व लक्षिता जैन 81.4प्रतिशत तथा वाणिज्य संकाय में मंतशा मन्सूरी 86.4प्रतिशत व प्रखर गुप्ता नें 81.6प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर विद्यालय प्रबन्धक गिरिराज गुप्ता, प्राचार्य ई. के. जोशी सहित समस्त विद्यालय परिवार नें बच्चों एवं पालकों को हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

सबसे ऊंची प्रेम सगाई, भगवान प्रेम के अधीन

गंज बासौदा

गंज हनुमान मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में जब कथा व्यास श्री कृष्ण चंद्र ठाकुर जी महाराज ने सूरदास के भक्ति पद सबसे ऊंची प्रेम सगाई को गया तो श्रद्धालुओं से खचाखच भरे पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु श्रोता, नृत्य करने पर विवश हो उठे। सूरदास जी के पदों को सुनकर श्रद्धालुओं के नेत्र सजल हो गए। कथा के तृतीय दिवस प्रसिद्ध कथा वाचक श्री कृष्ण चंद्र ठाकुर जी महाराज ने बताया कि भगवान भक्त के अधीन होते हैं, वह भक्ति के वश में होते हैं। भगवान गरीब और अमीर का भेद नहीं करते। जब दुर्योधन ने भगवान कृष्ण को हस्तिनापुर आने का निमंत्रण भेजा और उन्हें अपने विलासिता से भरे महल में भोजन पर बुलाया परंतु भगवान कृष्ण ने अहंकारी दुर्योधन के छप्पन भोग को त्याग कर, कृष्ण को पुत्र के समान प्रेम करने वाली विदुरानी, जिन्हे वह काकी जी कहते थे, उसके टूटे हुए घर जाकर रूखे सूखे भोजन कर

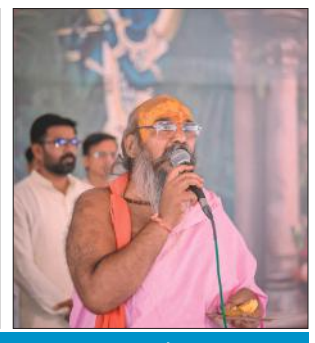

हम सबका आदि धर्म सनातन है, बाकी सब सनातन की उपासना पद्धति

कथा को कहते हुए कथावाचक श्री कृष्ण चंद्र ठाकुर जी महाराज ने धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि जब भगवान वेद व्यास से पूछा गया कि धर्म क्या है तो उन्होंने धर्म को परिभाषित करते हुए बताया कि जो व्यवहार आप स्वयं के लिए उचित नहीं समझते, उसको दूसरों के साथ ना करना ही धर्म है। जीव हिंसा पर कुठाराघात करते हुए ठाकुर जी ने कहा कि जीव हिंसा पाप है, हमारे जैन? भाई अहिंसा को सर्वोपरि मानते हैं, यह धर्म है। हमारे सिख भाई, गुरूद्वारों में लंगर सेवा करते हैं, यह धर्म है। जैन?, बुद्ध, आर्य, सिख सभी सनातन की शाखाएं हैं।

प्रसन्न हो गए । भक्ति की पराकाष्ठा तो तब हो गई जब श्री कृष्ण के अनुराग में अनुरक्त भक्त शिरोमणि काकी विदुराणी, भगवान कृष्ण को अपने हाथों से केले के छिलके खिलाती रही और भगवान कृष्ण भी बड़े प्रेम से उनके हाथों से केले के छिलकों के खाते रहे। श्री कृष्ण चंद्र ठाकुर जी ने कहा कि प्रेम परिचय को पहचान बना देता है, प्रेम इंसान को भगवान बना देता है। कथा व्यास ने कहा कि हरि के दरबार में जाति पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजै तो हरि को होई, अर्थात हरि के दरबार में जाति-पाति का भेद नहीं होता , जो हरि को भजता है, उनका प्रेममय स्मरण करता है, हरि उनके हो जाते हैं।

गंज हनुमान सत्संग समिति का होगा गठन

कथा के प्रारंभ में उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी जी महाराज ने कहा कि गंज बासौदा परम सिद्ध संतों की भूमि है। इस भूमि पर निरंतर सुयोग्य विद्वानों द्वारा सत्संग आयोजित होते रहें, इसके लिए श्री गंज हनुमान सत्संग सेवा समिति का गठन किया गया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों और दान दाताओं से इस समिति से जुड़ने का आह्वान किया है। जिससे प्रति बर्ष सत्संग आयोजित किए जा सकें। कथा में आष्टा से संत छबीलदास जी महाराज, चित्रकूट से संत जगमोहन दास जी महाराज विशेष रूप

बाल विवाह रोकने के लिए जिले में किए जा रहे है सतत् प्रयास

राजगढ़

प्रभारी जिला महिला बाल विकास अधिकारी श?यामबाबू खरे से प्राप?त जानकारी के अनुसार अक्षय तृतीया तथा अन्य विवाह मुहूर्तों पर जिले में 37 बाल विवाह वैवाहिक स्थल पर ब्लॉक टास्क फोर्स द्वारा पहुंचकर रोके गए तथा पंचनामा बनाकर लोगों को परामर्श देकर विवाह न करने हेतु राज़ी किया गया। पंचनामा एवं परामर्श के पश्चात भी विवाह करने पर तीन विवाहों के संबंध में विवाह कराने वाले लोगों पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत एफआईआर कराई गई है। 37 बाल विवाह स्थल पर रोके गए हैं उन थाना क्षेत्र के थाना प्रभारियों को उन विवाहों पर निगरानी रखने तथा विवाह होने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत् कार्यवाही करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

कलेक्ट्रेट परिसर के पार्क में पौधारोपण

ब्यूरो राजगढ़

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में पौधारोपण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मण्डराह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कई राज्यों में जमीन समतलीकरण के नाम से फॉड करने वाले अतंराज्यीय गैंग का मण्डला पुलिस ने किया खुलासा, राजस्थान के दो आरोपी गिरफ्तार

मंडला

थाना बम्हनी में सेवा निवृत्त शिक्षक निवासी चिरईडोंगरी थाना बम्हनी ने शिकायत की थी ,जिसने अपने रिपोर्ट में बताया कि कुछ लोगों ने जे.सी.बी. मशीन रेल्वे विभाग में लगी हुई है, जो दो तीन दिन की छुट्टी होने से कम पैसे में खेत में काम कराने के संबंध मे कहते प्रार्थी के खेत पर जे.सी.बी. मशीन से खेत में खुदाई कर सुबह तीन अन्य व्यक्ति आये जिन्होने अपने आप को रेल्वे के अधिकारी एंव तहसील कार्यालय के कर्मचारी बताकर प्रार्थी के ऊपर कार्यवाही करने का कहकर जेल भेजने की धमकी देते हुये 10 से 15 लाख रुपये का जुर्माना पटाकर रशीद प्राप्त कर मामला रफा दफा करने की बात कर भय दिखाया गया। प्रार्थी द्वारा सरकारी कर्मचारी होने के कारण भय मे आकर एव जेल जाने के डर से उन 3 व्यक्तियों के साथ स्टेट बैंक मण्डला (मेन ब्रांच) से चैक द्वारा 10,70,000/- रुपये निकलवाया व प्रार्थी एंव उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर महाराजपुर में छोड़ धमकी देकर भाग गये । प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना बम्हनी मे अपराध क्रं. 129/2025 धारा 318 (4), 308(2), 3(5) BNS का कायम कर कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये मामले के खुलासा व अज्ञात आरोपीगणो की गिरफ्तारी करने के संबंध मे निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एंव अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नैनपुर के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी अरूण प्रताप सिंह भदौरिया थाना प्रभारी बम्हनी के के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। विवेचना के दौरान टीम द्वारा घटना स्थल का रूट मैप तैयार कर सीसीटीवी एवं सायबर सेल मंडला से प्राप्त तकनीकी जानकारी का विष्लेषण कर 06 सदस्यीय टीम को राजस्थान अज्ञात संदेही आरोपिगणो की जानकारी प्राप्त करने रवाना किया गया।

पुलिस लाईन मंडला में किया बलवा ड्रिल का आयोजन, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने भीड़ नियंत्रण उपकरणों/शस्त्रों से किया अभ्यास

मंडला

कानून व्यवस्था के दौरान किसी भी प्रकार की चुनौतियों से निपटने, आपातकालीन परिस्थितियों में स्थिति पर नियंत्रण रखने और समाज में भयमुक्त व सुदृढ़ वातावरण बनाने के लिए पुलिस महानिदेशक महोदय मध्यप्रदेश द्वारा पुलिस फोर्स को साप्ताहिक परेड के साथ-साथ मॉक ड्रिल, बलवा परेड आदि का अभ्यास कराये जाने हेतु दिये गये निर्देशों के तहत मंडला पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आज जनरल परेड के दौरान पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के भीड़ नियंत्रण उपकरणों जैसे आंसू गैस ग्रिनेट, चिली ग्रिनेट, इस्टन ग्रिनेट, डाई मार्कर ग्रिनेट, नॉर्मल सेल ग्रिनेट, सॉफ्ट नोज सेल एलआर/एसआर, इलेक्ट्रिक सेल ग्रिनेट आदि शस्त्रों को टीयर गैस गन एवं बज्र वाहन से चला कर अभ्यास किया गया । बलवा

ड्रिल के माध्यम से पुलिसकर्मियों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने का अभ्यास कराया गया। ड्रिल के जरिए पुलिसकर्मियों को दंगाइयों से निपटने के लिए कई तरीके सिखाए गए। दंगाइयों को रोकने के लिए उपकरणों का इस्तेमाल, टियर गैस के गोले दागना,भीड़ को तितर वितर करने के लिए स्मोक गैस का इस्तेमाल करना,दंगे के दौरान घायल लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना जैसे अभ्यास सिखाए गए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार वर्मा नें बताया कि मंडला पुलिस का बलवा ड्रिल का रिहर्सल किया है इस तरह के रिहर्सल हम समय-समय पर करते रहते हैं जिससे हमारी तैयारी में कोई कमी रहती है तो उसमें सुधार करने की कोशिश करते हैं ताकि कभी बलवा आदि की स्थिति निर्मित होती है तो हमें कैसे रिएक्ट करना है यह सिखाया जाता है। इस मौके पर रक्षित निरीक्षक सुनील नागवशी, थाना प्रभारी आरती धुर्वे, सुबेदार सहित जिला बल के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें। साथ ही बलवा ड्रिल में आपात स्थिती से निपटने हेतु ग्राम एवं नगर रक्षा समिती के सदस्यों को भी शामिल किया गया।

सावन सिंह बने मानव अधिकार आयोग के 'आयोग मित्र'

मण्डला।

मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा मण्डला जिले के लिए सावन सिंह ठाकुर को ÷आयोग मित्र÷ के रूप में नामित किया गया है। यह नियुक्ति अगले दो वर्षों के लिए है, और वे मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण में आयोग की मदद करेंगे। आयोग ने उनके ऊपर विश्वास व्यक्त किया है कि वे इस भूमिका में निस्वार्थ और मानवीय सेवाएं प्रदान करेंगे। सावन सिंह ठाकुर की जिले के लिए आयोग मित्र के रूप में नियुक्ति एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण में उनकी भूमिका को रेखांकित करता है। यह नियुक्ति मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा की गई है, जो राज्य में मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच और निवारण के लिए जिम्मेदार है। यह नियुक्ति मण्डला जिले के भौगोलिक क्षेत्र के लिए है, और आयोग ने उनके ऊपर विश्वास व्यक्त किया है कि वे इस भूमिका में निस्वार्थ और मानवीय सेवाएं प्रदान करेंगे। उनकी

भूमिका मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण में आयोग के साथ समन्वय स्थापित करना और स्थानीय स्तर पर शिकायतों को संबोधित करने में मदद करना है। सावन सिंह ठाकुर को ÷आयोग मित्र शिकायत प्रकोष्ठ संचालन स्कीम, 2006 और दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। यह स्कीम शिकायत निवारण प्रक्रिया में उनकी भूमिका को परिभाषित करती है। आयोग मित्र के रूप में नियुक्ति मण्डला जिले में मानव अधिकारों के संवर्धन में एक महत्वपूर्ण योगदान है। उनकी भूमिका संभावित रूप से शिकायत निवारण, जागरूकता अभियान, और आयोग के साथ समन्वय में मदद करना है, जैसा कि स्कीम, 2006 और दिशा-निर्देशों में परिभाषित है। मानव अधिकार से संबंधित शिकायत के लिए आयोग मित्र शिकायत प्रकोष्ठ, कार्यालय मण्डला, कक्ष क्र0-15, प्रथम तल, जिला पंचायत डीआरडीए भवन, मण्डला मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल द्वारा गठित में संपर्क किया जा सकता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्राचीन बावड़ी की की सफाई

राजगढ़

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड जीरापुर के ग्राम गागोरनी में सती कृष्ण कुमार महल मैं संचालित पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में स्थित प्राचीन बावड़ी जो कि बहुत प्राचीन है जिसका निर्माण राजा सूरजमल द्वारा किया गया था जिसकी साफ सफाई का अभियान दिनांक 13 मई 2025 को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नव अंकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति खेड़ी परामर्शदाता मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं एवं समिति

सदस्यों द्वारा बावड़ी में सफाई अभियान चलाकर सफाई की गई सफाई अभियान कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक बीरम सिंह परमार नव अंकुर संस्था के सचिव इंद्र सिंह चौहान राहुल चौहान परामर्श दाता अखिलेश नर्वाण ग्राम गागोरानी के अशासकीय विद्यालय के प्राचार्य बद्रीलाल मेरोठा एवं छात्र शिवचरण मांगीलाल दुर्गेश रामेश्वर लखन आदि उपस्थित रहे.

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में देहात पुलिस द्वारा सहारा अभियान अंतर्गत की असहाय बुजुर्ग महिला की सहायता

टीकमगढ़ पुलिस द्वारा निरंतर जारी मानवीय संवेदना पूर्ण कार्य पुलिस की उपरोक्त कार्यवाही की आमजन द्वारा की जा रही सराहना

टीकमगढ़– पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिला स्तर पर महिला सुरक्षा, समानता,स्वतंत्रता सुनिश्चित करने हेतु नीड, परी,आशरा,भरोसा,सहारा ÷ अभियान चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा गर्भ से लेकर बुढ़ापे तक करने के लिए संचालित किया जा रहा है जिसमें सक्रिय कार्यवाही करने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को दैनिक रूप से निर्देशित किया जा रहा है ।

इसी तारतम्य में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक चंद्रजीत यादव ने अपनी पुलिस टीम के साथ सहारा अभियान अंतर्गत आज मानवता पूर्ण कार्यवाही की गई , जिसमें सिविल लाईन टीकमगढ मेन रोड पर एक असहाय वृद्ध महिला बैठी हुई थी जो लोगों से कुछ खाने के लिये मांग रही थी, बहुत परेशान थी। थाना प्रभारी देहात द्वारा पुलिस टीम के साथ उक्त बुजुर्ग असहाय महिला से हालचाल जाना उनका नाम पता पूछा जिन्होंने अपना नाम मुलिया पति स्व. सुखनी ढीमर उम्र 62 साल निवासी खैरा टीकमगढ वर्तमान अनन्तपुरा टीकमगढ का होना बताया एवं पति की मृत्यु 30 साल पहले होना बताया घर में एक लडका होना जो अँधा है । उनसे तात्कालिक कारण पूंछा गया जिन्होंने तबियत खराब होने के कारण जिला अस्पताल टीकमगढ में इलाज हेतु आना बताया गया भूख लगने से खाना पीना का सामान मांग रही थी। सहारा अभियान अंतर्गत देहात पुलिस द्वारा मानवतापूर्ण कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा बुजुर्ग महिला को राशन खरीद कर दिया गया एवं खाना खिलाया गया बाद वृद्ध महिला को उसकी बेटी देवी ढीमर निवासी अनन्तपुरा के पास वृद्ध महिला की देखरेख करने हेतु समझाइस देकर सुपुर्द किया गया।

टाटा मोटर्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 51 प्रतिशत कम हुआ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऑटोमोबाईल कंपनी टाटा मोटर्स को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 8,470 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 51.34% कम रहा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 17,407 करोड़ रुपए था। जनवरी-मार्च तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 1.19 लाख करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में टाटा मोटर्स ने 1.18 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर यह 0.53% बढ़ा है।

वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। टाटा मोटर्स ने मंगलवार (13 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

टाटा मोटर्स की टोटल इनकम 0.48 प्रतिशत बढ़ी

चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स की टोटल इनकम सालाना आधार पर 0.48% बढ़कर 1.21 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम 1.20 लाख करोड़ रुपए रही थी।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या ?

कंपनी ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 6 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है। नतीजों के पहले टाटा मोटर्स का शेयर 1.73% की गिरावट के साथ 708 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक महीने में 14% चढ़ा और 6 महीने में 10% गिरा है। एक साल में कंपनी का शेयर 26% गिरा है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 2.61 लाख करोड़ रुपए है।

कॉन्सोलिडेटेड मुनाफा मतलब पूरे ग्रुप का प्रदर्शन

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट या सेगमेंट का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस दिखाया जाता है। जबकि, कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी का डेटा जारी होता है। यहां, टाटा मोटर्स की जगुआर लैंड रोवर जैसी 100 से ज्यादा सब्सिडियरी और एसोसिएट कंपनियां हैं। इन सभी के फाइनेंशियल रिपोर्ट को मिलाकर कॉन्सोलिडेटेड कहा जाएगा। वहीं, अगर जगुआर लैंड रोवर के अलग रिजल्ट को

भारत ने अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा

अमेरिका में उत्पादित स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर 7.6 अरब डॉलर का असर पड़ेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के तहत सोमवार को अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा। डब्ल्यूटीओ ने बयान में कहा कि इस से अमेरिका में उत्पादित स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर 7.6 अरब अमरीकी डॉलर का असर पड़ेगा। भारत द्वारा रियायतों के प्रस्तावित निलंबन के परिणामस्वरूप अमेरिका में उत्पादित उत्पादों से समान शुल्क वसूला जाएगा। अमेरिका ने पिछले साल मार्च में शुल्क लागू किया था, जिसे यह साल बढ़ा दिया गया था। मंगलवार, मेटल कंपनियों के शेयर फोकस में हैं। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और टाटा स्टील के शेयरों में उतार-चढ़ाव देखा गया। वेदांता और टाटा स्टील में मामूली तेजी देखी गई, जबकि सेल के शेयरों में गिरावट देखी गई। अमेरिका ने आठ मार्च, 2018 को कुछ स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर क्रमशः 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मूल्यानुसार शुल्क लगाकर सुरक्षा उपाय लागू किए थे। यह 23 मार्च, 2018 को लागू हुआ था, जिसे जनवरी 2020 में बढ़ा दिया गया था। इस वर्ष 10 फरवरी को अमेरिका ने स्टील व एल्युमीनियम उत्पादों के आयात पर सुरक्षा उपायों में फिर से संशोधन किया, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी हुआ और इसकी अवधि असीमित है। अमेरिका ने अब 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है।

ब्लूस्मार्ट के ईवी वाहनों को खरीदने की तैयारी में एवरेस्ट फ्लीट

कंपनी की ऋणदाताओं से चल रही बातचीत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में कैब सेवा प्रदाता उबर के सबसे बड़े फ्लीट भागीदारों में से एक, एवरेस्ट फ्लीट ब्लूस्मार्ट की कारों को खरीदने के लिए अवसर के चर्चाओं में है। उबर ने इस तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीदने की प्रक्रिया की शुरुआत की है, लेकिन अंतिम संख्या और कीमत का तय करना बाकी है। एवरेस्ट फ्लीट के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि वे कुछ ऋणदाताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन सौदा अभी पूरा नहीं हुआ है। अधिकारियों की मानें तो एवरेस्ट फ्लीट के बेड़े में इस समय 20,500 कारें हैं और उनमें से 2,000 ईवी वाहन हैं। ऐसे इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने से यह सुनिश्चित होगा कि उबर ग्रीन सेवाएं बढ़ेगी। इसके अलावा, इवेरा कैब्स के दिल्ली में 500 ईवी वाहनों के शामिल होने की भी खबरें हैं। उबर द्वारा एवरेस्ट फ्लीट में निवेश करने की भी ख़बरें आ रही हैं। उबर ने सीरीज सी राउंड में 3

करोड़ डॉलर का निवेश किया और मई 2023 की शुरुआत में सीरीज बी राउंड में भी एक निवेश किया था। इसी बीच, उबर ग्रीन इनिशियटिव के तहत सतत तकनीकी और पर्यावरणीय खोज कर रहा है ताकि साफ़ और उचित वाहन सेवाएं उपलब्ध हो सकें। एवरेस्ट्ट फ्लीट के संस्थापक ने कहा कि हमने अभी तक करार नहीं किया है, लेकिन हम उबर के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं। यह समझा जा रहा है कि इस उचित फैसले के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण के प्रति सहयोगी रहेंगी।

हैप्पिएस्ट माइंड्स का मुनाफा 53 प्रतिशत घटकर 34 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज एक भारतीय आईटी कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में कम लाभ का सामना किया है। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 52.7 प्रतिशत घटकर 34 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 71.9 करोड़ रुपये रहा था। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व 30.5 प्रतिशत बढ़कर 544.5 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 417.2 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का मुनाफा 25.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 184.6 करोड़ रुपये रहा है, जबकि राजस्व 26.8 प्रतिशत बढ़कर 2,060.8 करोड़ रुपये हो गया है। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने मार्च में अपने संगठनात्मक ढांचे में कई बदलावों की घोषणा की है। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए डिविडेंड की सिफारिश की है। हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज डिजिटल परिवर्तन, उत्पाद इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करती है। इसके 13 देशों में 6,632 कर्मचारी हैं।

चीन अमेरिका के व्यापार युद्ध से निपटने लैटिन अमेरिकी देशों से हाथ मिलाएगा

चीन ने बीजिंग में एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया

ताइपे ■ एजेंसी

अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न व्यापार युद्ध से निपटने के लिए चीन अन्य देशों के साथ अपने गठबंधन को मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। चीन ने मंगलवार को बीजिंग में आयोजित एक कार्यक्रम में लैटिन अमेरिकी नेताओं के साथ एकजुट मोर्चा पेश किया। चीन के नेताओं ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी और अन्य नीतियों से उत्पन्न अनिश्चितता एवं अस्थिरता की पृष्ठभूमि में खुद को एक विश्वसनीय व्यापार तथा वृद्धि भागीदार के रूप में पेश किया है। वहीं अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को जानकारी दी थी। अमेरिका के साथ तनाव कम करने के

लिए कदम उठाने के साथ ही चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यहां चीन-सीईएलएसी फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि चीन विशुद्ध राजनीतिक तथा गुटीय टकराव की बढ़ती हुई स्थिति तथा एकतरफावाद एवं संरक्षणवाद की बढ़ती लहर से निपटने के लिए लैटिन देशों के साथ हाथ मिलाने को तैयार है। इस फोरम की शुरुआत 2015 में की गई थी। उन्होंने कहा कि शुल्क युद्धों या व्यापार युद्धों से किसी की जीत नहीं होती। चीन ने अमेरिकी शुल्कों को लेकर भी कई बार इसी तरह की बात कही है। फोरम में हिस्सा लेने वाले लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई अधिकारियों में ब्राजील, चिली और कोलंबिया के राष्ट्रपति शामिल हैं। शी ने चीन और लैटिन अमेरिकी देशों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए राजनीतिक आदान-प्रदान, आर्थिक वृद्धि, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक आदान-प्रदान और वैश्विक सुरक्षा पर केंद्रित पांच कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने इस क्षेत्र से आयात को बढ़ावा देने और चीनी कंपनियों को वहां अपना निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का वादा किया।

योग करते हुए रानी चटर्जी ने वीडियो किया साझा

मुंबई।

हाल ही में भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री रानी चटर्जी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर योग करते हुए एक वीडियो साझा किया, जो उनके फॉलोअर्स को प्रेरित कर रहा है। इस वीडियो में रानी विभिन्न योगासनों का अभ्यास करती नजर आई, जिसमें अनुलोम-विलोम, बद्धकोणासन, बालासन और नाड़ी शोधन जैसे योगासन शामिल थे।

इसके साथ ही उन्होंने एक प्रेरणादायक कैप्शन भी लिखा, ÷योग आत्म-प्रेम और शांति का माध्यम है।÷ रानी के इस वीडियो को उनके फॉलोअर्स से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, जो उनकी फिटनेस और मानसिक शांति के प्रति समर्पण को सराह रहे हैं। रानी चटर्जी ने अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में साझा करते हुए कहा कि कुछ समय पहले वह वजन बढ़ने की समस्या से जूझ रही थीं, लेकिन उन्होंने खुद को बदलने का दृढ़ संकल्प लिया।

योग और नियमित जिम एक्सरसाइज के माध्यम से न केवल उन्होंने अपना वजन घटाया, बल्कि मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत किया। आज उनकी त्वचा की चमक और आत्मविश्वास में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है।

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान अटापट्टू पर जुर्माना

कोलंबो ■ एजेंसी

श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू को आचार संहिता का उल्लंघन महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अटापट्टू पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया है। यह मामला दक्षिण अफ्रीका के साथ त्रिकोणीय सीरीज के ग्रुप चरण के अंतिम मैच के दौरान का है। तब 32वें ओवर में एनेरी डेरक्सन के चौका लगाने

पर अटापट्टू ने अपना चश्मा उतारकर जमीन पर पटक दिया था। आईसीसी ने इस आचरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन बताया है। ये अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट से जुड़े उपकरणों का दुरुपयोग और मैदान के उपकरणों को फेंकने से जुड़ा है। इस अपराध के लिए अटापट्टू पर मैच फीस का 10 फीसदी जर्माना लगाया गया है। ये 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। इस कारण अटापट्ट के खाते में अनुशासनात्मक कारवाई के तहत एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और डेडुनू डी सिल्वा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल और चौथे अंपायर निमाली परेरा ने अटापट्टू पर आरोप लगाए थे। अटापट्टू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इसलिए इस मामले में अधिक सुनवाई की जरुरत नहीं पड़ी।

अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से आईपीएल कार्यक्रम टकराने से विदेशी खिलाड़ियों का भाग लेना कठिन

मुम्बई ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 17 मई से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फिर शुरू करने की घोषणा कर दी है। ऐसे में टीमों ने इसमें खेल रहे विदेशी खिलाड़ियों से लौटने के लिए कहा है जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं क्योंकि आईपीएल कार्यक्रम में आये बदलाव से उनके अन्य कार्यक्रम टकरा रहे हैं। संशोधित कार्यक्रम से अब आईपीएल तीन जून को खत्म होगा, जिससे ये अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से टकरा रहा है। जिससे विदेशी खिलाड़ी संशय में पड़ गये हैं। मई के अंत में एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर सक्रिय होगा और टीमें तैयारियों में लग जाएंगी। 29 मई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला होगा, जिससे आईपीएल 2025 पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि इससे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी रोमारियो शेफर्ड (आरसीबी), शमर जोसेफ (लखनऊ सुपर जायंट्स) और शेरफेन रदरफोर्ड (गुजरात टाइटन्स) के लिए आईपीएल खेलना कठिन होगा। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। ऐसे में आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई और दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को इसमें खेलना कठिन होगा।

ग्लैमरस लुक को लेकर सुर्खियों में हैं मोनालिसा

मुंबई।

भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री अंतरा बिस्वास (मोनालिसा) एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपना नया फोटोशूट इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसमें वह मल्टीकलर कॉर्ड सेट पहने हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बालों को पॉनीटेल में स्टाइल किया है और ग्रीन ईयररिंग्स से अपने लुक को कंप्लीट किया है। उनका यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है और तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। इससे पहले मोनालिसा ने येलो क्रॉप टॉप और ब्लू डेनिम जींस में एक और फोटोशूट कराया था, जिसमें वह लाइट मेकअप में भी बेहद आकर्षक लग रही थीं। उन्होंने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया

था, जिसे फैंस ने खूब सराहा। सिर्फ तस्वीरें ही नहीं, मोनालिसा के डांस वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हो रहे हैं। हाल ही में उन्होंने नेहा कक्कड़ के मशहूर गाने 'काला चश्मा' और शेफाली जरीवाला के आइकॉनिक सॉन्ग 'कांटा लगा' पर थिरकते हुए वीडियो शेयर किए।

पावर मेक प्रोजेक्ट्स को मिला 982 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

तेलंगाना पावर जनरेशन कॉरपोरेशन ने पावर मेक प्रोजेक्ट्स को 971.98 करोड़ रुपये के ठेके हेतु चुना है। इस ठेके के अनुसार दामरचेरला, नलगोंडा जिले में यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के साथ एक एकीकृत टाउनशिप निर्मित की जाएगी। ठेके के अंतर्गत, क्वार्टर, बहुमंजिला आवासीय क्वार्टर और डिजाइन और ढांचा द्वारा संबंधित कार्य भी शामिल होंगे। पावर मेक प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष ने घोषणा की कि इस निर्माण कार्य को 30 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा। यह सरकारी ठेका नहीं सिर्फ तेलंगाना क्षेत्र में जनरेशन क्षेत्र को मजबूत बनाएगा, बल्कि स्थानीय आवासियों को भी बेहतर आवास सुविधाएं प्रदान करेगा। यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन के इस परियोजना में शामिल होने से, पावर मेक प्रोजेक्ट्स ने अपने प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया है कि स्थानीय समुदायों को भी इसका लाभ होगा।

हर रोज औषधीय गुणों से भरपूर लाल रंग के इस जूस को पीने से शरीर पर क्या असर पड़ता है?

दादी-नानी के जमाने से खाने-पीने की कुछ चीजों को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। चुकंदर को डाइट प्लान में शामिल करने से भी सेहत पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। क्या आपने कभी चुकंदर का जूस पिया है? अगर नहीं, तो पोषक तत्वों से भरपूर इस नेचुरल ड्रिंक के फायदों के बारे में जानकर आप इसे रोज पीना शुरू कर देंगे।

दूर हो जाएगी खून की कमी

आयरन रिच चुकंदर का जूस पीकर आप अपने शरीर में पैदा हुई खून की कमी को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा चुकंदर का जूस आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना बीटरूट जूस पी सकते हैं। चुकंदर का जूस आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकता है।

कंट्रोल करे ब्लड प्रेशर

अगर आपका ब्लड प्रेशर हाई रहता है, तो

आपको चुकंदर का जूस पीना शुरू कर देना चाहिए। बीटरूट जूस में मौजूद तत्व आपके हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। अगर आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो हर रोज चुकंदर का जूस पीना कर दीजिए। बीटरूट जूस दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है।

वेट लॉस जर्नी को आसान बनाए

क्या आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको चुकंदर का जूस पीना शुरू कर देना चाहिए। चुकंदर का जूस लिवर को डिटॉक्स करने में भी कारगर साबित हो सकता है। इसके अलावा चुकंदर का जूस पीकर आपकी थकान-कमजोरी दूर हो जाएगी और आप एनर्जेटिक महसूस कर पाएंगे।

शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए अपनाएं ये उपाय, शरीर से बीमारियां होंगी कोसों दूर

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। एक व्यक्ति के लिए उसका स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है इसलिए आपको अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। लेकिन इन सबमे ध्यान देने योग्य बात यह है केवल बाहर से चुस्त दिखना जरुरी नहीं है बल्कि आपको मानसिक रूप से और अंदरूनी तौर पर स्वस्थ होना जरुरी है। आशा आयुर्वेदा की डायरेक्टर और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चंचल शर्मा ने कुछ ऐसे टिप्स बताए जिससे आप प्राकृतिक रूप से बॉडी केयर कर सकते हैं। शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने पर आप एक अच्छा जीवन जी पाते हैं।

हेल्दी रहने के लिए इन टिप्स को आज़माएं:

संतुलित आहार का सेवन करें- आप दिनभर में क्या खाते हैं इसका असर आपके शरीर पर पड़ता है इसलिए कोशिश करें कि हमेशा बैलेंस्ड डाइट का सेवन करें। आपके आहार में सभी विटामिन्स, मिनरल्स, अन्य पोषक तत्वों का संतुलित मात्रा में मौजूद होना बहुत जरुरी है। इसके साथ रोजाना कम से कम 4 लीटर पानी अवश्य पिएं। अपनी डाइट में पत्तेदार

सब्जियों और ताजे फलों को शामिल करें। सुबह का नाश्ता जरूर करें।

व्यवस्थित जीवनशैली को अपनाएं- स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली व्यवस्थित होना बहुत जरुरी है। आपको शारीरिक रूप से एक्टिव रहना चाहिए और घर के कामों में हाथ बटाना चाहिए। कोशिश करें कि बहुत देर तक बैठने या सोने का काम ना करें इससे मोटापा बढ़ सकता है और उससे कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

शरीर को साफ़ रखें- रोजाना सुबह उठकर दाँतों की सफाई करना, नहाना और पौष्टिक आहार खाना एक बोझिल काम लग सकता है लेकिन शरीर की साफ़ सफाई रखना स्वस्थ रहने की पहली क्रिया है। आपको नियमित रूप से स्नान करना चाहिए, नाखूनों को काटकर साफ़ करके रखें, सोने का समय निर्धारित करें और रोजाना 7 घंटे जरूर सोएं, देर रात तक न जगें।

नियमित एक्सरसाइज करें- आजकल लोगों के जीवन में बहुत तनाव होता है जिससे कई तरह की बीमारिया हो जाती है। ऐसे में नियमित रूप से व्यायाम, योग और प्राणायाम करने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।

नियमित चेकअप कराएं- स्वस्थ रहने के लिए आपको हर महीने अपने शरीर की जाँच करवानी चाहिए इससे आप किसी भी बीमारी को शुरूआती दिनों में ही पहचान सकते हैं और उसी के अनुसार उपचार करवाके एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

नशीली पदार्थ का सेवन न करें- स्मोकिंग या शराब आदि का सेवन करने से आपके फेफड़े और लीवर ख़राब हो सकते हैं। इतना ही नहीं स्मोकिंग आपकी स्किन को भी ख़राब कर सकता है, जिससे आप वक्त से पहले बूढ़े दिखने लगते हैं। इसलिए ऐसी नशीली पदार्थों से परहेज करें।

मेन्टल हेल्थ पर ध्यान दें- एक व्यक्ति स्वस्थ तभी हो सकता है जब शरीर के साथ साथ मानसिक रूप से भी स्वस्थ हो। क्यूंकि तभी आप किसी भी कार्य में अपना शत प्रतिशत दे पाएंगे और खुश रहेंगे। इसलिए आपको पॉजिटिव सोचना चाहिए और मेडिटेशन करना चाहिए।

सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें अधिकारी-कलेक्टर

- ग्राम सभाओं के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण को मिलेगा बढ़ावा-कलेक्टर
- नगरीय क्षेत्रों के अंतर्गत जर्जर भवनों का सर्वे कर सीएमओ करें चिन्हित-कलेक्टर
- कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा कि मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध अधिनियम 2022 के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण एवं व्यापार की प्रक्रिया ग्राम सभाओं के माध्यम से सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जाए तथा ग्राम सभाओं के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण को बढ़ावा मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सभाओं का नियमित रूप से आयोजन कर ग्रामीणों को तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाए। एक सशक्त अभियान चलाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिक से अधिक ग्रामीण इस कार्य से जुड़ें, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर और आय के स्त्रोत उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली मंगलवार को आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन एवं समय-सीमा में प्राप्त लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं व जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ आमजन तक समय पर पहुँचना चाहिए। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी नियमित रूप से प्रकरणों की मॉनिटरिंग करें और प्राथमिकता के आधार पर लंबित शिकायतों का

निराकरण करना सुनिश्चित करें। जिससे आम नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों में जर्जर भवनों को चिन्हित कर सूची बनाएं तथा यह जानकारी समयबद्ध रूप से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को उपलब्ध कराएं। इसका उद्देश्य वर्षा ऋतु से पूर्व संभावित जोखिमों का आंकलन कर उनके समाधान हेतु ठोस कार्ययोजना बनाना है। जिससे आगामी दिनों में किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित ना हो। कलेक्टर ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा कर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि कक्षा नवमी एवं दसवीं में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची तैयार कर सभी विद्यार्थियों का पुनः नामांकन भरवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। कलेक्टर ने जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान को निर्देश दिए कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में सभी पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं शैक्षणिक सामग्री का वितरण समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जाए। बैठक में शासकीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यालय परिसरों में शौचालयों की मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण और बच्चों की आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए। कलेक्टर ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से अप्रैल तथा मई माह के टेक होम राशन के आवंटन तथा वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अप्रैल-मई माह का वितरण शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो। कलेक्टर ने उद्योग विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार योजना के प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य लाभार्थी, विशेषकर महिला उद्यमियों को व्यापार, वित्त और प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग में मदद करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वरोजगार योजना के प्रशिक्षण हेतु आईटीआई को एक केंद्र के रूप में चिन्हित किया जाए, ताकि प्रशिक्षण की व्यवस्था सुचारु रूप से की जा सके। बैठक में कलेक्टर ने उद्यान विभाग द्वारा एक जिला एक उत्पाद के वर्कशॉप का आयोजन, पशुपालन विभाग द्वारा गौशालाओं की स्थापना की नीति 2025 के संबंध में चर्चा, मत्स्य विभाग, नल जल योजना, खेत तालाब योजना सहित अन्य विभिन्न विभागों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा श्री अजीत तिर्की, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल सहित जिले के विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

थाना बिजुरी द्वारा रात्रि कॉबिंग गस्त के दौरान 08 गिरफ्तारी वारंट की तामीली

बिजुरी/संजय केसरवानी पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर्र रहमान द्वारा जिले में अपराधो में नियंत्रण हेतु सोमवार की रात्रि जिले के समस्त थानो में काबिंग गस्त कराई गई जिसमें फरार चल रहे गिरफ्तारी वारंटी की तामीली जिला बदल आरोपियों की घर चेकिंग , निगरानी एवं गुण्डा बदमाशो की चेकिंग एवं वसुली वारंटी की तामीली हेतु निर्देशित किया गया । सोमवार की रात्रि दिनांक 12/05/2025 को थाना बिजुरी पुलिस द्वारा रात्रि काबिंग गस्त के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री इसरार मन्सूरी एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह , सउनि उदय प्रजापति, सउनि कमलेश शुक्ला, आर. प्रभाकर त्रिपाठी, रामनिवास गुर्जर, म.आर. संगम तोमर की अलग अलग पार्टीयों नें वांटेड अपराधियों की घेराबंदी की जाकर फरार चल रहे 4 वारंटीयों को गिरफ्तार किया गया जिसमें से विनय बंसल पिता शुभगलाल बंसल उम्र 28 वर्ष निवासी मोहाडा दफाई बिजुरी को माननीय न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्र 53/21 धारा 25बी आर्म्स एक्ट प्रकरण क्र 811/20 धारा 457, 380 ताहि, प्रकरण क्र 762/24 धारा 354, 354ख, 341, 294, 506, 509 ताहि मे गिरफ्तारी वारंट जारी होने, किटटी कोल उर्फ परमेश्वर पिता लाला कोल निवासी मोहाडा दफाई को माननीय न्यायालय कोतमा को प्रकरण क्र 568/23 धारा 294, 323, 506 ताहि मे गिरफ्तारी वारंट जारी होने, रवि सेन पिता चन्द्रकेश सेन निवासी मोहाडा दफाई बिजुरी को माननीय न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्र 222/22 धारा 294, 323, 506 ताहि मे गिरफ्तारी वारंट जारी, सुनील परहुआ पिता स्व. लालमन को माननीय न्यायालय कोतमा के प्रकरण क्र 200/22 धारा 498ए ताहि मे गिरफ्तारी वारंट होने से गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक विकास सिंह ,सउनि उदय प्रजापति, सउनि कमलेश शुक्ला, आर. प्रभाकर त्रिपाठी, रामनिवास गुर्जर, म.आर. संगम तोमर की उल्लेखनीय भूमिका रही।

जिले में 4213 किसानों से 180538.35 क्विटल गेहूं की खरीदी की गई

उमरिया।

जिला आपूर्ति अधिकारी बी एस परिहार ने बताया कि जिले में 35 गेहूं खरीदी केन्द्रों के माध्यम से 4213 किसानों से 180538.35 क्विटल गेहूं की खरीदी की गई है । उन्होने बताया कि सेवा सहकारी समिति मर्यादित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरिया केंद्र राधा रानी वेयर हाउस में 35 किसानों से 1333 क्विटल , चंदिया केंद्र बेंसहनी में 305 किसानों से 15068 क्विटल, पथरहठा केंद्र कोयलारी में 115 किसानों से 6066 क्विटल, बड़खेरा केंद्र निगहरी स्थल मां शारदा वेयर हाउस निगहरी में 84 किसानों से 3502 क्विटल, अमरपुर स्थल श्रीवरी कॉम वेयर यूनिट एक में 168 किसानों से 11031 क्विटल, पिड्रा केंद्र ताला में 116 किसानों से 8722.50 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित करकेली में 11 किसानों से 304.50 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कंचनपुर केंद्र घुलघुली में 277 किसानों से 9539 क्विटल गेहूं की खरीदी की गई है । इसी तरह आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित छांदाखुर्द केंद्र छांदाखुर्द में 67 किसानों से 2485 क्विटल , आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित घुनघुटी में 73 किसानों से 2550 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित चौरी में 41 किसानों से 855 क्विटल , आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मालाचुआ में 135 किसानों से 6237.37 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित मानपुर श्री दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी बीओटी वेयर हाउस खुटार मे 95 किसानों व्दारा 2916.50 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौड़ी आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौड़ी बरबसपुर स्थल अन्नपूर्णा वेयर हाउस बड़ेरी में 94 किसानों से 3618 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौड़ी केंद्र कछराटोला में 15 किसानों से 513.50 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कठार में 8 किसानों से 189 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बल्हौड़ में 79 किसानों से 2297.50 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कौठिया पनपथा केंद्र उमरिया बकेली में 36 किसानों से 743 क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कुम्हेरवाह केंद्र डोंडका में 129 किसानों से 4213 क्विटल गहूं की खरीदी की गई है । इसी प्रकार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित गढपुरी केंद्र परासी धमोखर में 71 किसानों से 1876 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित पडवार में 173 किसानों से 5519.85 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित नवगवां में 294 किसानों से 10034 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित कोटरी केंद्र श्री दुर्गा ट्रे1डिंग कंपनी बॉट वेयरहाउस गडरियाटोला में 217 किसानों से 9554 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित इंदवार केंद्र पड़खुरी में 11 किसानों से 217.50 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिगुड़ी आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिगुडी स्थयल श्री दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी बीओटी वेयर हाउस खुंटार में 143 किसानों से 567150 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मजमानीकला , आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मजमानीकला केंद्र अमड़ी में 102 किसानों से 4602 क्विटल, सेवा सहकारी समिति मजमानीकला आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मजमानी कला केंद्र कौडिया बाइस में 33 किसानों से 1641.50 क्विटल, विपणन सहकारी समिति मर्यादित उमरिया , विपणन सहकारी समिति मर्यादित उमरिया केंद्र नरवार में 159 किसानों से 815क्विटल, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बिलासपुर में 148 किसानों से 10587.50 क्विटल।

कोतमा पुलिस द्वारा गुमशुदा को दस्तयाब कर परिजनो के किया सुपुर्द

कोतमा

दिनांक 14.04.2025 को सूचनाकर्ता राम प्रमोद भरिया उर्फ दऊवा पिता स्व. छुन्ना भरिया उम्र 50 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 दर्रीटोला कोतमा का रिपोर्ट लेख कराया कि दिनांक-13/04/25 को शाम 4.00 बजे इसकी लड़की बाजार सब्जी लेने कहकर निकली थी जो शाम 6.00 बजे तक वापस नहीं आई है, बिना बताए कही चली गई है रिपोर्ट पर गुम इंसान क्र. 24/25 कायम कर जांच पता तलाश में लिया गया । गुमशुदा को रेल्वे स्टेशन बिजुरी से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्दगी में दिया गया है । उक्त कार्यवाही में ,सउनि लालजी श्रीमावास्तव ,म. आर. 290 पिन्की प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

सूखे कुंए में संभावित दुर्घटना से बचाव हेतु सलाह

अनूपपुर

मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल द्वारा सूखे कुएं में उतरने से कई तरह की दुर्घटनाओं की संभावना से अवगत कराते हुए विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने हेतु दिशा निर्देश जारी किये गए हैं। जिसमें बताया गया है कि सूखे कुएँ में उतरने से हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों की उपस्थिति बेहोशी, घुटन और मृत्यु का कारण बन सकती है। सीमित स्थान में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से सांस लेने में तकलीफ और बेहोशी हो सकती है। कुएँ में उतरने के पहले लालटेन रस्सी से नीचे डालें यदि लालटेन बुझ जाती है, तो वहाँ पर ऑक्सीजन की कमी है और वहां जहरीली गैस हैं, इसलिए कुएँ के अंदर ना उतरें। यदि कोई व्यक्ति सूखे कुएं में दुर्घटना का शिकार हो जाता है, तो बचाव की स्थिति में तत्काल निम्नलिखित कदम उठाए जाने चाहिए। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें, बिना उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरणों के कुएं में उतरने का प्रयास न करें। इससे आप भी खतरे में पड़ सकते हैं। तत्काल मदद के लिए कॉल करें। तुरंत आपातकालीन सेवाओं (जैसे पुलिस, अग्निशमन दल, बचाव दल) को सूचित करें। उन्हें दुर्घटना का स्थान और स्थिति की जानकारी दें। कुएं के आसपास के क्षेत्र को खाली कराएं ताकि अन्य लोग खतरे में न पड़ें। स्थिति का आकलन करें। यदि संभव हो, तो दूर से या सुरक्षित दूरी से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की स्थिति का आकलन करें (चेतना, सांस लेना, चोटें)। आपातकालीन सेवाओं के पहुंचने पर, उनके साथ मिलकर एक सुरक्षित और प्रभावी बचाव योजना तैयार करें। बचाव कार्य केवल प्रशिक्षित और उचित उपकरणों से लैस बचाव दल द्वारा ही किया जाना चाहिए। बचाव दल को उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), श्वास सुरक्षा उपकरण, हार्नेस, रस्सियां और अन्य आवश्यक उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। यदि संभव हो, तो कुएं के अंदर के वायुमंडल की निगरानी करें ताकि खतरनाक गैसों या ऑक्सीजन की कमी का पता चल सके। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सुरक्षित रूप से कुएं से बाहर निकालने के लिए उचित तकनीकों का उपयोग करें। इसमें रस्सियों, स्ट्रेचर या अन्य बचाव उपकरणों का उपयोग शामिल हो सकता है। कुएं से निकालने के बाद दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करें। यदि आवश्यक हो, तो उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल ले जाएं। बचाव कार्य में समय लग सकता है। धैर्य बनाए रखें और बचाव दल पर भरोसा रखें। बचाव दल के सदस्यों के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। अपनी जान जोखिम में डालकर बचाव करने का प्रयास न करें। संक्षेप में, सूखे कुएं में दुर्घटना होने पर सबसे महत्वपूर्ण कदम तत्काल आपातकालीन सेवाओं को बुलाना और प्रशिक्षित बचाव दल की प्रतीक्षा करना है।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल का भ्रमण कार्यक्रम

अनूपपुर

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप

जायसवाल 14 मई को रात्रि 9:55 बजे ट्रेन द्वारा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से रीवा हेतु प्रस्थान करेंगे तथा 15 मई को प्रातः 8:00 बजे रेलवे स्टेशन रीवा पहुंचेंगे व सीधी जिले हेतु प्रस्थान करेंगे। प्रातः 9:00 बजे सर्किट हाऊस सीधी पहुंचेंगे एवं मुख्यमंत्री जी के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। शाम 5 बजे मझौली से बिजुरी जिला अनूपपुर हेतु प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 9 बजे निज निवास बिजुरी पहुंचेंगे व रात्रि विश्राम करेंगे। शेष कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

आचार्य शंकर केवल एक दार्शनिक नहीं बल्कि भारत बर्ष की एकता, अखंडता और ज्ञान परंपरा के संरक्षक थे - आशूतोष अग्रवाल

उमरिया। आदिगुरु शंकराचार्य जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली द्वारा व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधि आशूतोष अग्रवाल ने कहा कि आदि शंकराचार्य के जीवन दर्शन को देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का आधार बताया। उन्होंने कहा, ÷आदि शंकराचार्य केवल एक दार्शनिक नहीं, बल्कि भारतवर्ष की एकता, अखंडता और ज्ञान परंपरा के संरक्षक थे। उन्होंने भारत की चारों दिशाओं में मठों की स्थापना कर वैदिक ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाया हैं । आज के यांत्रिक और तनावपूर्ण जीवन में हमें शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत के सूत्रों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। ÷जब हम यह समझ जाते हैं कि आत्मा और ब्रह्म में कोई भेद नहीं, तभी हम अपने भीतर की वास्तविक शांति और संतुलन को प्राप्त कर सकते हैं,समाज की सांस्कृतिक एकता के लिए वातावरण निर्माण का कार्य आदिगुरु शंकराचार्य जी ने किया हैं ।आचार्य शंकर ने सभी वेदों के भाष्य लिखकर उनका सरलीकरण कर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया हैं स कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मिथलेश पयासी ने आदिगुरु शंकराचार्य जी के जीवन और उनके अद्वैतवाद के सिद्धांत के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि शंकराचार्य जी ने उपनिषदों और ब्रह्मसूत्र की व्याख्या करते हुए अद्वैत वेदांत दर्शन की स्थापना की, जो सभी प्राणियों की आत्मा की ब्रह्म से एकता पर बल देता है।भारत के इतिहास में एकमात्र ऐसे महान व्यक्तित्व के जगदुरु स्वामी शंकराचार्य जी हुये हैं जिन्होंने केवल आठ बर्ष की आयु में सारे वेद, सारे पुराण और सारे उपनिषद को कंठस्थ कर मात्र 16 बर्ष की आयु में अखंड भारत का पैदल ही भ्रमण किया स शंकराचार्य जी ज्ञान, अनुभव और तपस्या की पराकाष्ठा थे स ज्ञान अनुभव और साधना ये तीनो जब एक जगह पर जाकर एकाकार हो जाती हैं तब उस त्रिवेणी का नाम ही जगदुरु शंकराचार्य हैं, उन्होंने ऐसे समय जब भारत में बौद्ध धर्म ने सनातन धर्म को खत्म करने का प्रयास किया था उस समय उन्होंने सनातन संस्कृति की पुनर्नस्थापना कर भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन को आकार दिया है। उनके दर्शन और शिक्षाएं आज भी लोगों को प्रेरणा और मार्गदर्शन देती हैं।

सीबीएसई परीक्षाओं में पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

विद्यालय के 9 विद्यार्थियों ने उच्च अंक अर्जित कर परीक्षा की उत्तीर्ण

शहडोल

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वार्षिक परीक्षाओं में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की, जिससे विद्यालय का नाम गौरवपूर्वक ऊँचा हुआ है। प्राचार्य पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल श्रीमती प्रीति मिश्रा ने जानकारी दी है कि सीबीएसई द्वारा मंगलवार को कक्षा 12वीं एवं कक्षा10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है जिसमें संभागीय मुख्यालय शहडोल के पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल का कक्षा 10वीं के 55 विद्यार्थी एवं कक्षा 12वीं के 48 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सम्मिलित हुए थे

जिसमें सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की और विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

रहा। उन्होंने बताया कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल के कक्षा 10 वीं अध्यनरत विद्यार्थी कुशाग्र दुबे 94.4 प्रतिषत, मयंक त्रिपाठी 94.2 प्रतिशत, सारा अज़का अंसारी 93.6 प्रतिशत के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में अध्यनरत प्रियांक शालवार 95.8 प्रतिशत, रिषिका तिवारी 86.6 प्रतिशत, आयुष कुमार 85.6 प्रतिषत, कक्षा 12 वाणिज्य संकाय के मोहम्मद हुमाम अंसारी 94.2 प्रतिषत, विपुल तिवारी 90.8 प्रतिशत,ओजस रंजनेय अवस्थी 85.6 प्रतिषत के साथ उत्तीर्ण हुए है। प्राचार्य श्रीमती प्रीति मिश्रा ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने सभी परीक्षार्थियों की मेहनत और उनकी अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। विद्यालय का शत-प्रतिषत परिणाम प्राप्त करने में षिक्षक डॉ. एस एस अहमद, शिवकमल सिंह, सुभाषचंद्र, प्रिया पंडित, सनोजा राणा, प्रिया शर्मा, शिवम सोनी, महजबीन बेगम, कीर्ति कौरव, रामनाथ मोगरे, प्रियंका रजक,राजेंद्र विश्वकर्मा, ऋषि राज शुक्ला की अहम भूमिका रही।

बिजूरी में संपर्क करें
पेपर विज्ञापन समाचार एजेंसी हेतु संपर्क करें हमारे प्रतिनिधि से
संजय केसरवानी
बिजुरी जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 09, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो. 9893798715